CMYK

प्रथम दुर्गा त्वंहि भवसागरः तारणीम्
धन ऐश्वर्य दायिनी शैलपुत्री प्रणमाभ्यम्॥

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 95 ता. 07 अक्टूबर 2021,गुरूवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

योगी सरकार को हटाना बहुत जरूरी, किसानों पर हो रहा जुल्मः अखिलेश

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को शाहजहांपुर से योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। गुरुद्वारे के मंच से अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार को हटाना बेहद जरूरी क्योंकि कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। किसानों पर जुल्म ढाए जा रहे हैं, गृह राज्य मंत्री का बेटा किसानों पर कार चढ़ाकर मार डालता है और उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया। अखिलेश ने किसानों को भरोसा दिया कि वह और उनकी समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी है। शाहजहांपुर के बंडा स्थित नानकदेव गुरुद्वारे के मंच से अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कपड़े पहनने से कोई योगी नहीं बन जाता। उन्होंने पीएम को तो सीधे तौर पर निशाने पर नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि भाजपा की सरकारों में उन्हें किसी पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि सीधे तौर पर किसान और सिख समुदाय से जुड़ते हुए कहा कि वह और समाजवादी पार्टी किसानों के आंदोलन में पूरी तरह से साथ हैं, हर वक्त वह साथ खड़े हैं। उन्होंने सरकार सवाल खड़े किए कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी गृहराज्यमंत्री अजय मिश्रा के बेटे की अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई। कहा कि गृहराज्यमंत्री ही तो कानून के मालिक हैं, इसीलिए उनका बेटा गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार को हटाना बेहद जरूरी है, क्योंकि कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि यह पहली भाजपा सरकार है जिसके शासनकाल में आईपीएस तक फरार है।

कोरोना के साये में नवरात्रि

आज से खुलेंगे ये मंदिर लेकिन गरबा पर प्रतिबंध, इन नियमों का करना होगा पालन

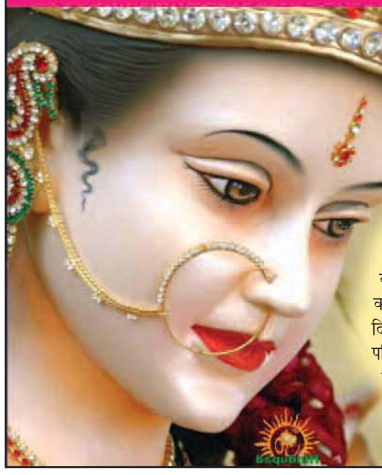

नई दिल्ली। गुरुवार से नवरात्रि का पर्व शुरू होने जा रहा है जिसे देखते हुए महाराष्ट्र, बिहार समेत कई राज्यों की सरकार ने एसओपी जारी कर साफ कर दिया है कि इस मौके पर गरबा पर बैन रहेगा और कोरोना नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। हालांकि इस अवसर पर दिशानिर्देशों का पालन करते हुए मंदिर परिसरों में दर्शन करने की अनुमति रहेगी। नवरात्रि मनाने वाले कुछ राज्यों के दिशानिर्देश जारी किए गए हैं जो कि इस प्रकार है। वहीं मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में कल यानी कि नवरात्रि के पहले दिन से भक्त दर्शन कर सकेंगे। सरकार ने इसके लिए कुछ दिशानिर्देश जारी किए हैं। सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों को पहले बुकिंग करानी होगी। जिसके बाद वो दफकोड के जरिए मंदिर परिसर में प्रवेश कर सकेंगे। मंदिर के प्रशासन के मुताबिक हर घंटे 250 श्रद्धालुओं को दफ को कोड दिया जाएगा साथ ही उन्हें कुछ खास नियमों का पालन करना होगा।` इसके अलावा कल से भक्त, शिरडी साईं बाबा समेत शनि शिग्णापुर मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकेंगे। ऑनलाइन पास के जरिए 15 हजार भक्तों को शिरडी मंदिर में जाने की इजाजत होगी। मुंबई का मुंबा देवी मंदिर भी कल से खुलने जा रहा है।

हालांकि मंदिर में केवल उन्हीं को प्रवेश की इजाजत होगी जो टीकाकरण करा चुके हैं. वहीं, फूल, माला, प्रसाद वितरण पर प्रशासन ने पूरी तरह रोक लगाई है। बिहार में कोरोना संक्रमण के मामलों में गिरावट जरूर आई है लेकिन पूजा के दौरान भक्तों को नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। मास्क पहनना और शारीरिक दूरी का खास ध्यान रखना होगा। बिहार सरकार ने दुर्गा पूजा को लेकर कई दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत दुर्गा पूजा के दौरान मेले या किसी समारोह से पहले प्रशासन से इजाजत लेनी होगी। पंडाल, मेलों और जुलूस में जाने वालों के लिए कम से कम वैक्सीन की एक डोज लेना अनिवार्य होगा। एक जगह बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने पर पाबंदी रहेगी। झारखंड में भी कोरोना के मामलों में कमी जरूर आई है लेकिन सोरेन सरकार संक्रमण का रिस्क लेना नहीं चाहती है। सरकार ने दिशानिर्देश जारी करते हुए भक्तों से कोरोना के नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा है। पूजा पंडालों और मंडपों का आकार छोटा होगा। मां दुर्गा की प्रतिमाएं पांच फीट से ज्यादा की नहीं होंगी। आयोजन के दौरान प्रसाद/भोग का वितरण नहीं किया जायेगा। वहीं, 18 साल से कम उम्रवालों को पंडालों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा तो धूमधाम से होगा, लेकिन कोरोना को देखते हुए सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। पूजा पंडालों में इस साल प्रसाद का वितरण नहीं किया जाएगा। वहीं पंडालों में 18 साल से कम के उम्र के लोगों को जाने की मनाही होगी।

यूपी में चुनाव से पहले खुलेगा नौकरियों का पिटारा

शिक्षक भर्ती शुरू करने की तैयारी में यागी सरकार

लखनऊ। विधानसभा चुनाव से पहले सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक, प्रवक्ता और प्रधानाचार्यों की भर्ती शुरू करने की तैयारी है। माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड रिक्त पदों का ब्योरा मांगने के लिए इसी महीने पोर्टल खोलने जा रहा है। माना जा रहा है कि पोर्टल खुलने के एक महीने में प्रदेशभर के 4500 से अधिक एडेड कॉलेजों में रिक्त पदों की सूचना लेने के बाद भर्ती का विज्ञापन जारी किया जाएगा। चयन बोर्ड ने जुलाई 2016 के चार साल बाद 29 अक्तूबर 2020 को 15,508 शिक्षकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। हालांकि कानूनी अड़चनों से उसे निरस्त करते हुए 15 मार्च 2021 को दोबारा 15,198 पदों की भर्ती शुरू की गई। सुप्रीम कोर्ट ने यह भर्ती 31 अक्तूबर तक पूरी करने के आदेश दिए हैं। इस भर्ती के लिए अक्तूबर 2019 तक रिक्त पदों की सूचना मांगी गई थी। इसके बाद से दो साल का समय बीत चुका है। अब 31 मार्च 2022 तक सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों के रिक्त पदों की सूचना ली जाएगी। चयन बोर्ड सूत्रों का कहना है कि 15 से 20 दिन के अंदर पोर्टल खोल दिया जाएगा। नई शिक्षक भर्ती में प्रधानाचार्य का चयन भी किया जाएगा। चयन बोर्ड ने 2013 के बाद से प्रधानाचार्य भर्ती का विज्ञापन जारी नहीं किया है जबकि एडेड कॉलेजों में प्रधानाचार्यों की काफी कमी है। दो साल पहले चयन बोर्ड ने जो अधियाचन मांगा था, उसी में 1453 पद खाली थे। इसके बाद काफी प्रधानाचार्य सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

शिवसेना को प्रियंका गांधी में दिखीं इंदिरा

कहाः दादी जैसे ही हैं उनके तेवर, योगी सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी अपनी दादी की तरह ही मजबूत नेता हैं और उनमें वैसे ही तेवर देखने को मिलते हैं। शिवसेना ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुए बवाल को लेकर योगी सरकार की आलोचना करते हुए यह बात कही। 'सामना' में लिखे संपादकीय में शिवसेना ने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि क्या उत्तर प्रदेश पाकिस्तान में है। पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को एंट्री न दिए जाने को लेकर सवाल उठाते हुए शिवसेना ने यह बात कही। शिवसेना ने कहा, ' प्रियंका गांधी कांग्रेस की महासचिव हैं। उन पर राजनीतिक हमले किए जा सकते हैं। लेकिन वह इंदिरा गांधी जैसी महान नेता की पोती भी हैं। इंदिरा ने देश के लिए बलिदान और पाकिस्तान को दो टुकड़े में बांटने का काम किया था।'

शिवसेना ने कहा कि प्रियंका गांधी को अवैध रूप से हिरासत में भेजने वाले लोगों को यह बात जान लेनी चाहिए। हालांकि इस बीच यूपी पुलिस ने प्रियंका गांधी को रिहा कर दिया है। यही नहीं उन्हें राहुल गांधी के साथ लखीमपुर खीरी जाकर पीड़ित किसानों से मुलाकात की भी परमिशन दी है। शिवसेना ने कहा कि प्रियंका गांधी का यही अपराध था कि उन्होंने यूपी सरकार से सवाल पूछ लिए थे। इसी के चलते उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। प्रियंका गांधी की तुलना उनकी दादी से करते हुए शिवसेना ने कहा कि वह तेजतर्रार और फाइटर नेता हैं।' शिवसेना ने कहा कि इंदिरा गांधी के तेवर अपनी दादी इंदिरा गांधी की तरह ही हैं। इससे पहले मंगलवार को प्रियंका गांधी ने खुद को अवैध तौर पर गिरफ्तार करने और सीतापुर में पीएसी के गेस्ट हाउस में रखे जाने का आरोप लगाया था। प्रियंका गांधी ने कहा कि मुझे गिरफ्तार किया गया और इस बारे में कोई एफआईआर या नोटिस भी नहीं दिखाया गया। यही नहीं उन्हें उनके वकीलों से भी मिलने की परमिशन नहीं दी गई। बता दें कि यूपी पुलिस ने प्रियंका गांधी समेत 11 लोगों के खिलाफ कई मामलों में केस दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया था।

रेलवे के 11 लाख कर्मचारियों को त्योहारी तोहफा

78 दिन का बोनस देगी मोदी सरकार

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के नॉन गजटेट कर्मियों को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने त्योहारी तोहफा दिया है। केंद्र सरकार की कैबिनेट बैठक में ऐसे कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि गणना के आधार पर 72 दिन का बोनस दिया जाता है लेकिन इस बार छह अतिरिक्त दिन का बोनस मिलेगा। मतलब ये कि नॉन गजटेट कर्मियों को कुल 78 दिन का बोनस मिलेगा। कितने लोगों को फायदाः अनुराग ठाकुर के मुताबिक इसका फायदा 11 लाख 56 हजार ज्यादा कर्मचारियों को मिलेगा। इस फैसले से सरकार के 1,985 करोड़ रुपए खर्च होंगे। अनुराग ठाकुर ने बताया कि अति विषम परिस्थितयों के बावजूद सरकार ने बोनस देने का फैसला लिया है। इसके अलावा अनुराग ठाकुर ने टेक्सटाइल मिनिस्ट्री से भी जुड़े

फैसले का भी ऐलान किया। उन्होंने बताया कि पीएम मित्र योजना को लॉन्च किया जाएगा। इसमें पांच साल में 4,445 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पीएम मित्र योजना में 7 मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजनल एंड अपैरल पार्क तैयार होंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि इससे 7 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और 14 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार की उम्मीद की जा रही है।

स्वामित्व योजनाः अब आपका प्रॉपर्टी कार्ड रहेगा आपके मोबाइल में

पीएम बोलेः तीन हजार गांवों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से मध्यप्रदेश के हरदा` जिले के स्वामित्व योजना के लाभार्थियों के साथ बातचीत की और इस अवसर पर उन्होंने 19 जिलों के 3000 गांवों में 1,71,000 लाभार्थियों को ई-प्रॉपर्टी कार्ड भी वितरित किया। इस दौराने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने अपना संबोधन भी दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आज मध्यप्रदेशे के 3,000 गांवों के 1.70 लाख से अधिक परिवारों को मिला प्रॉपर्टी कार्ड उनकी समृद्धि का साथी बनेगा। ये लोग डिजि-लॉकर के माध्यम से अपने मोबाइल पर अपना प्रॉपर्टी कार्ड डाउनलोड भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना सिर्फ कानूनी दस्तावेजे देने की योजनाभर नहीं है, बल्कि ये आधुनिक टेक्नॉलॉजी से देश के गांवों में विकास और विश्वास का नया मंत्र भी है। शुरूआती चरणों में स्वामित्व योजना को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक और राजस्थान के कुछ गांवों में लागू किया गया था। इन राज्यों में गांवों में रहने वाले

करीब 22 लाख परिवारों के लिए प्रॉपर्टी कार्ड तैयार हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमने कोरोना काल में देखा है कि कैसे भारत के गांवों ने मिलकर एक लक्ष्य पर काम किया, बहुत सतर्कता के साथ इस महामारी का मुकाबला किया। बाहर से आए लोगों के लिए रहने के अलग इंतजाम हों, भोजन और काम की व्यवस्था हो, वैक्सीनेशन से जुड़ा काम हो, भारत के गांव बहुत आगे रहे। देश के गांवों को, गांवों की प्रॉपर्टी को, जमीन और घर से जुड़े रिकॉर्ड्स को अनिश्चितता और अविश्वास से निकालना बहुत जरूरी है। इसलिए पीएम स्वामित्व योजना, गांव के हमारे भाइयों और बहनों की बहुत बड़ी ताकत बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना, सिर्फ कानूनी दस्तावेज देने की योजना नहीं है, बल्कि ये आधुनिक टेक्नॉलॉजी से देश के गांवों में विकास और विश्वास का नया मंत्र भी है। ये जो गांव-मोहल्ले में ड्रोन उड़ रहा है, वो भारत के गांवों को नई उड़ान देने वाला है।पीएम मोदी ने कहा कि बीते 6-7 वर्षों के हमारी सरकार के प्रयासों को देखें, तो हमने प्रयास किया है कि गरीब को किसी तीसरे व्यक्ति के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़े। आज खेती की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि के तहत सीधे किसानों के बैंक खातों में पैसा भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना में भी लोगों को अपना काम शुरू करने के लिए बैंकों से बिना गारंटी ऋण का अवसर दिया है। इस योजना के तहत पिछले 6 वर्षों में करीब 29 करोड़ ऋण दिए गए हैं, करीब 15 लाख करोड़ रुपये की ऋण राशि दी गई है।

दिल्लीः पटाखों की बिक्री, इस्तेमाल पर प्रतिबंध के खिलाफ याचिका पर 22 अक्टूबर को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि दिवाली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ याचिका पर वह 22 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। साथ ही उसने कहा कि वह इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के नतीजे का इंतजार करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने राहुल सांवरिया और तनवीर की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हमें इंतजार करने दीजिए कि सुप्रीम कोर्ट क्या निर्देश दे रहा है। याचिकाकताओं ने दावा किया कि दिल्ली सरकार का

पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला अधिकार से परे हैं क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का कभी आदेश नहीं दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि तो आप कह रहे हैं कि यह (प्रतिबंध) सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है? फिर अवमानना का मामला दायर कीजिए। याचिकाकताओं की ओर से पेश वकील गौतम झा ने कहा कि मैं इस पर इतना जोर नहीं दे रहा हूं।

लखीमपुर के किसानों का दर्द बांटेगी कांग्रेस, छत्तीसगढ़ और पंजाब सरकार ने किया यूपी से ज्यादा मदद का ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में केंद्रीय मंत्री की गाड़ी से कुचलकर मारे गए किसानों के परिवारों के लिए पंजाब और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने भी आर्थिक मदद का ऐलान किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों के साथ एकजुटता जाहिर करते हुए कहा कि मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने घटना की कवरेज के दौरान मारे गए पत्रकार के परिवार को भी 50-50 लाख रुपए देने की बात कही है। दोनों राज्य मारे गए किसानों और पत्रकार के परिवार को कुल 1 करोड़ रुपए की सहायता देंगे। योगी सरकार पहले ही 47-47 लाख रुपए और सरकारी नौकरी देने का ऐलान कर चुकी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ लखीमपुर खीरी में पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए लखनऊ में लैंड करने के बाद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा, "हम मारे किए किसानों के परिवारों के साथ हैं। पंजाब

सरकार की ओर से मैं पत्रकार सहित मारे गए लोगों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देने का ऐलान करता हूं।" चन्नी के साथ खड़े छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने भी किसानों के लिए आर्थिक मदद का ऐलान किया। उन्होंने कहा, "छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से मैं हिंसा में मारे गए किसानों और पत्रकार के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देने का ऐलान करता हूं।" गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया क्षेत्र में रविवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पैतृक गांव के दौरे के विरोध को लेकर भड़की हिंसा में चार किसानों समेत 8 लोगों की मौत हो गई थी।

चार किसानों के अलावा तीन बीजेपी कार्यकर्ता और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के ड्राइवर की मौत हो गई थी। इस दौरान घायल हुए पत्रकार रमन कश्यप ने भी अगले दिन दम तोड़ दिया था। इस मामले में मिश्रा के बेटे आशीष समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सार समाचार

पितृपक्ष की समाप्ति! कोलकाता के गंगा घाटों पर तर्पण के लिए उमड़ी भीड़

नई दिल्ली। बुधवार को महालया के साथ ही दुर्गा पूजा की शुरुआत हो जाएगी। बता दें कि दुर्गा पूजा के पहले महालया का अपना एक खास महत्व है।बंगाल में इस दिन को लोग खास तरीके से मनाते हैं। इसके साथ ही जिन राज्यों में दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाया जाता है उन राज्यों में भी महालया का विशेष महत्व है। लोग महालया का साल भर लोग प्रतीक्षा करते हैं। हिंदू धर्म में महालया का अपना एक अलग महत्व होता है। यह अमावस्या के आखरी दिन मनाया जाता है जो पितृपक्ष का भी अंतिम दिन होता है। जानकारी के लिए बता दें कि, महालय का अर्थ है तर्पण, और तर्पण के लिए सुबह से ही गंगा घाटों पर भीड़ उमड़ रही है।महालय के दिन तर्पण पितरों का तर्पण होता है।दक्षिणेश्वर से लेकर बागबाजार, कुमारतुली, अहिरीटोला या बाबूघाट तक सुबह से ही कोलकाता के विभिन्न घाटों पर भीड़ जमा हो रही है।कुछ घाटों पर सुबह से ही तर्पण के लिए लंबी लाइन लग गई है।

बढ़ती मेहंगाई को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मोदी सरकार पर साधा निशाना, ट्वीट कर किया प्रहार

भोपाल। नवरात्रि के शुभारंभ से पहले आम जनता को महंगाई का एक और झटका लगा है। रसोई गैस के दाम में 15 रुपए का इजाफा किया है। भोपाल में घरेलू गैस सिलेंडर अब 905.50 पैसे में मिलेंगे। बढ़ती महंगाई को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। कमलनाथ ने ट्वीट लिखा कि- भाजपा सरकार इन पर लगे भारी भरकम करो में कमी कर राहत देने की बजाय बढ़ती महंगाई पर जनता का मज़ाक़ उड़ा रही है। जनता परेशान , सरकार जनता को भगवान भरोसे छोड़ चुनावो में , झूठी घोषणाओं में, झूठे नारियल फोड़ने में व्यस्त। कमलनाथ ने आगे लिखा कि पेट्रोल- डीज़ल- रसोई गैस की आसमान छूती क़ीमतों ने व बढ़ती महंगाई ने जनता की कमर तोड़ कर रख दी है।पेट्रोल - 111 रुपए , डीज़ल - 101 रुपए, रसोई गैस में बढ़ोतरी जारी जल्द होगी 1001 रुपयेज्भाजपा सरकार इन पर लगे भारी भरकम करो में कमी कर राहत देने की बजाय बढ़ती महंगाई पर जनता का मज़ाक़ उड़ा रही है। जनता परेशान , सरकार जनता को भगवान भरोसे छोड़ चुनावो में , झूठी घोषणाओं में , झूठे नारियल फोड़ने में व्यस्त।

महिलाओं की ब्लू गैंग डांस और गाने के माध्यम से चला रही है नशा मुक्ति अभियान

भोपाल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में शराबबंदी के लिए एक अनोखे तरीका अपनाया है। यहां महिलाएं गाने और डांस के साथ नशा मुक्ति को लेकर अभियान चला रहा है। पुलिस के साथ अवैध शराब के खिलाफ अभियान चला रही महिलाओं की नीली गैंग ने अब गांव-गांव जाकर गाने और डांस के जरिए लोगों को शराब छोड़ने का संदेश देना शुरू किया है। आपको बता दें कि नीली गैंग का यह जत्था पुलिस अधिकारियों के साथ गांवों में पहुंचने पर गाना गाकर डांस शुरू कर देता है। नाच गाना देखने के लिए लोगों की भीड़ लग जाती है। इसके बाद लोगो को पुलिस अधिकारी नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हैं। इसके साथ ही सामाजिक बुराइयों पर चर्चा भी की जाती है। जानकारी के मुताबिक बैतूल एसपी सिमाला प्रसाद ने सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए महिलाओं की एक ब्लू गैंग बनाई थी। इस ब्लू गैंग की महिला सदस्यों के लिए ड्रेस कोड भी नीले रंग का ही दिया गया है। ब्लू गैंग पूरे जिले में काम कर रही है।

देश में पिछले 24 घंटे में मिले 18,833 नए कोरोना केस, एक्टिव केस सबसे कम

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 18,833 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,38,71,881 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 2,46,687 हो गई, जो 203 दिन में सबसे कम है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 278 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,49,538 हो गई। देश लगातार 12 दिनों से संक्रमण के 30 हजार से कम ही नए मामले सामने आ रहे हैं। देश में अभी 2,46,687 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.73 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 6,215 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.94 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

नवरात्रों में शक्तिपीठ मंदिर प्रातः चार बजे से रात्रि दस बजे तक खुले रहेंगे-श्रद्धालुओं को कोविड प्रोटोकॉल की अनुपालना करनी होगी सुनिश्चित: डीसी जिंदल

धर्मशाला । शरद नवरात्रि के दौरान शक्तिपीठ मंदिर प्रातः चार बजे से रात्रि दस बजे तक दर्शनों के लिए खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डा निपुण जिंदल ने बताया कि मंदिरों में श्रद्धालुओं को कोविड प्रोटोकॉल की अनुपालना सुनिश्चित करना जरूरी है इसके साथ ही संबंधित उपमंडल अधिकारियों तथा उप पुलिस अधीक्षकों को श्रद्धालुओं की थर्मल स्कैनिंग के लिए भी उचित कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरती के समय मंदिर में श्रद्धालुओं को प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर में भजन, कीर्तन, जागरण पर पूर्णतया रोक रहेगी। उन्होंने बताया कि हवन इत्यादि के लिए सामाजिक दूरी के साथ साथ कोविड प्रोटोकॉल की अनुपालना सुनिश्चित करना जरूरी होगा इसके साथ ही हवन में सम्मिलित होने वाले श्रद्धालुओं को कोविड वैक्सीन की डबल डोज का प्रमाण पत्र देना जरूरी होगा।

केजरीवाल की लखीमपुर की घटना पर पीएम मोदी से किया सवाल, किसानों के खिलाफ इतना गुस्सा क्यों है?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लखीमपुर खीरी में हिंसा के दौरान किसानों की मौत को लेकर बुधवार को केंद्र पर निशाना साधा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीड़ितों के परिवारों के लिए न्याय सुनिश्चित करने को कहा। आप नेता केजरीवाल ने यह भी मांग की कि मामले के आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा को पद से हटाया जाए जिनका बेटा इस घटना में आरोपी है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था किसानों के हत्यारों को बचाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि मामले के संबंध में अब तक किसी को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया, ''पिछले एक साल से किसान धरने पर बैठे हैं। अब तक 600 से ज्यादा किसानों की मौत हो चुकी है। और फिर किसानों को पहियों के नीचे कुचल कर मार दिया जाता है। किसानों के खिलाफ इतनी नफरत क्यों है?'' केजरीवाल ने प्रधानमंत्री से यह भी सवाल किया कि मिश्रा को अभी तक केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पद से हटाया क्यों नहीं गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से मामले में हस्तक्षेप करने और पीड़ितों के परिवार के सदस्यों से मिलने की अपील करते हुए कहा, ''इस देश का हर नागरिक आज किसानों के लिए न्याय की मांग कर रहा है। निर्णय आपके हाथ में है।'' उन्होंने कहा कि पूरा देश चाहता है कि किसानों की हत्या के आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और मिश्रा को उनके मंत्री पद से हटाया जाए। केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश सरकार पर विपक्षी पार्टी के नेताओं को पीड़ितों के परिवार के सदस्यों से मिलने की कथित तौर से अनुमति नहीं देने के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा,''प्रधानमंत्री जी, एक तरफ, सरकार आजादी का महोत्सव मना रही है और दूसरी ओर, विपक्षी नेताओं को लखीमपुर जाते समय गिरफ्तार किया जा रहा है। यह किस प्रकार की स्वतंत्रता है?

अंग्रेज इस तरह की कार्रवाई करते थे।'' शुरू में राजनीतिक दलों को लखीमपुर खीरी जाने की अनुमति देने से इनकार करने के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने अब उन्हें जिले का दौरा करने की अनुमति दी है। लखीमपुर खीरी में रविवार को हुई हिंसा में मारे गए आठ लोगों में से चार किसान थे, जिन्हें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के स्वागत के लिए क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जा रहे वाहनों से कथित तौर पर कुचल दिया गया। प्रदर्शनकारियों द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके चालक सहित अन्य को वाहनों से कथित तौर पर बाहर निकालकर पीट-पीटकर मार डाला गया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष के खिलाफ मामला दर्ज किया है लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

उत्तर प्रदेश रवाना हुए सचिन पायलट, सीतापुर और लखीमपुर जाने का करेंगे प्रयास

नयी दिल्ली। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट बुधवार सुबह सड़क मार्ग से उत्तर प्रदेश के सीतापुर रवाना हो गए जहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को हिरासत में रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि पायलट आज सुबह जयपुर से हवाई मार्ग से दिल्ली पहुंचे और फिर सड़क मार्ग से गाजीपुर बॉर्डर होते हुए सीतापुर रवाना हो गए। कांग्रेस नेता के करीब एक सूत्र ने बताया, ''सचिन पायलट सीतापुर जाएंगे और फिर लखीमपुर खीरी जाकर पीड़ित किसान परिवारों से मुलाकात करने का प्रयास भी करेंगे।'' लखीमपुर खीरी के तिकोनिया क्षेत्र में हुई हिंसा में

चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत के बाद वहां जाने के दौरान रास्ते में हिरासत में लीं गईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा सोमवार सुबह से पुलिस अभिरक्षा में हैं।गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया क्षेत्र में रविवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पैतृक गांव के दौरे के विरोध को लेकर भड़की हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में मिश्रा के बेटे आशीष समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

दिल्ली दंगा: विरोधाभासी बयानों पर अदालत ने कहा, शपथ लेकर झूठी गवाही दे रहे पुलिस गवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली की एक अदालत ने महानगर के उत्तर-पूर्वी हिस्से में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में कहा कि पुलिस गवाहों में से एक शपथ लेकर गलत बयान दे रहा है।। इससे पहले एक पुलिसकर्मी ने तीन कथित दंगाइयों की पहचान की लेकिन एक अन्य अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने कहा कि यह बहुत ही अफसोसजनक स्थिति है। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) को रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। अदालत ने फरवरी 2020 के दंगों से संबंधित एक मामले में अभियोजन पक्ष के चार गवाहों की गवाही के बाद यह टिप्पणी की।

उन दंगों में 53 लोगों की मौत हो गयी थी जबकि 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। एक हेड कांस्टेबल ने अपनी गवाही में न्यायाधीश से कहा कि उन्होंने दंगाइयों - विकास कश्यप, गोलू कश्यप और रिंकू सब्जीवाला की पहचान की थी। वह अभियोजन पक्ष के गवाहों में से एक है। उन्होंने कहा, ''मैं साल 2019 से संबंधित क्षेत्र का बीट अधिकारी था। मैं सभी चार आरोपियों और विकास कश्यप, गोलू कश्यप तथा रिंकू सब्जीवाला को घटना के पहले से ही नाम और हुलिया से जानता था। अदालत ने कहा कि पुलिसकर्मी ने दंगों के समय मौके पर उनकी उपस्थिति के बारे में स्पष्ट रूप से जोर दिया तथा उन्हें उनके नाम के साथ ही उनके पेशे से भी पहचाना। इसके विपरीत, अभियोजन की ओर से एक अन्य गवाह- एक सहायक उप-निरीक्षक ने कहा कि उन तीन आरोपियों की जांच के दौरान पहचान नहीं हो सकी जिनके नाम हेड कांस्टेबल ने लिए थे। उन्होंने अदालत से कहा, मैंने शेष तीन आरोपियों की तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका।

इस बीच, मामले के जांच अधिकारी (आईओ) ने कहा कि इस बात की पुष्टि करने के लिए रिकॉर्ड में कोई दस्तावेज नहीं है कि तीनों आरोपियों के नाम रिकॉर्ड में होने के बावजूद उनकी कभी जांच की गई थी। इस पर अदालत ने कहा, इसके विपरीत, कहा गया है कि जांच के दौरान इन आरोपियों की पहचान स्थापित नहीं हो सकी। रिकार्ड में ऐसी कोई सामग्री नहीं है कि उक्त आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच अधिकारी द्वारा कभी प्रयास किए गए थे। प्रथम दृष्टया, पुलिस गवाहों में से एक शपथ लेने के बाद भी झूठ बोल रहा है जो भादसं की धारा 193 के तहत दंडनीय है।

राकेश टिकैत ने कहा,अगर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे

लखीमपुर खीरी (उप्र) (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को लखीमपुर में हुई हिंसा की घटना के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में राज्य सरकार को दिया गया अल्टीमेटम को बुधवार को दोहराते हुये कहा कि अगर आठ दिन में ऐसा नहीं हुआ तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रविवार की घटना में मरे आठ लोगों में चार किसान और एक पत्रकार शामिल हैं। उन्होंने इस घटना के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा से त्यागपत्र देने की मांग की। टिकैत ने चार अक्टूबर को राज्य सरकार के साथ एक समझौता किया था जिसके बाद किसानों ने अपना विरोध समाप्त कर दिया था और मृत किसानों का पोस्टमार्टम किया गया था। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने टिकैत की उपस्थिति में पीड़ित किसानों के परिवारों को 45-45 लाख रुपये देने, योग्यता के हिसाब से परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच करवाने की बात चार अक्टूबर को कही थी।

टिकैत ने लखीमपुर शहर के एक गुरुद्वारे में संवाददाताओं से कहा, ''हमारा विरोध खत्म नहीं हुआ है। हम समझौते के आठ दिन बाद तक इंतजार करेंगे और अगर मांगें पूरी नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।'' तिकोनिया थाने में हुई घटना में केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा समेत अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में 37 बिंदुओं के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों से परियोजनाओं में आज तक की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए परियोजनाओं में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान देने के लिए सभी कार्यदायी संस्थाओं के नोडल तथा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने नहरों में सिल्ट सफाई के कार्य को ससमय पूर्ण करते हुए नहरों में टेल तक पानी पहुंचायें जाने के निर्देश दिये है। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को खाद्य, बीज आदि की उपलब्धता बनी रहें। डी0सी0 एनआर0एलएम0 को निर्देशित किया कि समूहों के गठन के कार्यों में प्रगति दिखायी देनी चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी ने तलाबों के आवंटन के कार्यों में रूचि न लेने के कारण सहायक निदेशक मत्स्य से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में कन्या सुमंगला योजना, कौशल विकास कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी से विद्यालयों के निरीक्षण के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (गोल्डेन कार्ड), दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस की समीक्षा की। उन्होंने कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर आरएनएन के अधिशाषी अभियंता को प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में उन्होंने सेतु निगम और गंगा प्रदूषण के कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाये जाने के निर्देश दिये है साथ ही साथ समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने 50 लाख रूपये से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए आवास विकास परिषद द्वारा राजकीय इण्टर कालेज, कोरांव का कार्य पूरा हो जाने पर अभी तक हैण्डओवर न किये जाने पर नाराजगी जताते हुए हैण्ड ओवर की कार्रवाई जल्द से जल्द पूरी करने के लिए कहा है। सिडकों द्वारा राजकीय युनानी मेडिकल कालेज का निर्माण कार्य के बारे में जानकारी ली गयी, जिसमें उन्हें बताया गया कि निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जनरेटर लगाने का कार्य शेष है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जायेगा। बायो वेस्ट मैनेजमेंट के कार्य का थर्ड पार्टी से जांच कराने पर कमी पाये जाने पर उन्होंने कमियों को जल्द से जल्द दूर कराकर कार्य को पूरा कराने के लिए कहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं से कहा कि जो कार्य पूरे हो गये है, उनकी थर्ड पार्टी से जांच कराकर हैण्ड ओवर की कार्यवाही पूरी करा ली जाये। कांटी में बनाये जा रहे पशु चिकित्सालय के निर्माण कार्य में विलम्ब होने पर नाराजगी जताते हुए कार्य को नवम्बर माह तक पूरा कराये जाने के लिए निर्देशित किया है साथ ही कहा कि जो कार्यदायी संस्था समय से कार्य को पूर्ण नहीं करा पायेगी, उन्हें ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जायेगा।

लखीमपुर में बघेल बांट रहे 50 लाख का मुआवजा, छत्तीसगढ़ में आत्महत्या करने वाले 141 किसानों के हाथ खाली

शिमला । (एजेंसी)।

लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा और तनाव के बाद इस पर सियासत भी खूब देखने को मिल रही है। योगी सरकार के राजनीतिक दलों को लखीमपुर खीरी जाने की इजाजत देने के बाद से ही ये अब राजनीति और राजनेताओं का फेवरेट पॉलिटिकल स्पॉट भी बन गया है। इसके साथ ही मृतक किसानों के परिवार को लेकर मुआवजे करने में कांग्रेस शासित राज्य भी पीछे नहीं है। पंजाब और छत्तीसगढ़ की सरकारों ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में गत रविवार को हुई हिंसा में मारे गए किसानों के परिजन को 50-50 लाख रुपए की सहायता राशि देने का ऐलान किया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी लखीमपुर खीरी हिंसा में मरे चार किसानों और एक पत्रकार के परिजन को 50-50 लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। लेकिन इसमें गौर करने वाली बात ये है कि यूपी के लखीमपुर के किसान परिवार को मुआजवा देने की घोषणा करने वाले बघेल के खुद के राज्य में पिछले कुछ महीनों में ही 141 किसानों ने आत्महत्या कर ली है।

बीजेपी ने उठाए सवाल

बीजेपी के मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने इसको लेकर कांग्रेस पार्टी और बघेल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने फरवरी 2021 में विधानसभा को सूचित किया था कि 1 फरवरी तक 10 महीने की अवधि में 141 किसानों ने आत्महत्या की है। मालवीय ने सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या आपने भूपेश बघेल को किसी मुआवजे की घोषणा करते देखा? उन्होंने कहा कि न केवल गांधी परिवार के बच्चे बल्कि ये किसान भी मुख्यमंत्री की चिंता और सहानुभूति के पात्र हैं।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने विधानसभा में बताया था कि राज्य में पिछले 10 महीने में 141 किसानों ने आत्महत्या की। एक सवाल के जवाब में राज्य के कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने बताया कि इस दौरान 141 किसानों ने विभिन्न कारणों से आत्महत्या की है।

प्रियंका गांधी में अपनी दादी इंदिरा गांधी जैसा ही जज्बा है : शिवसेना

मुंबई। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी में ठीक वैसा ही जोश और उत्साह है जैसा उनकी दिवंगत दादी इंदिरा गांधी में था। शिवसेना ने लखमीपुर खीरी जिले में हिंसा में मारे गए किसानों के परिवार के सदस्यों से मिलने जा रही कांग्रेस महासचिव को हिरासत में लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए बुधवार को यह बात कही। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में पार्टी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके पंजाब समकक्ष चरणजीत सिंह चन्नी को लखमीपुर खीरी जाने से रोकने पर यह भी पूछा कि क्या भारत-पाकिस्तान जैसी कोई दुश्मनी थी और देश के संघीय ढांचे में इसे अजीब घटना करार दिया।

मराठी दैनिक में कहा गया, 'चूंकि वह (प्रियंका गांधी) कांग्रेस पार्टी की महासचिव हैं, उन पर राजनीतिक हमला हो सकता है, लेकिन वह महान नेता इंदिरा गांधी की पोती भी हैं जिन्होंने देश के लिए महान बलिदान दिया और पाकिस्तान (बांग्लादेश में) का विभाजन किया। जिन लोगों ने उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया था, उन्हें इस बात से अवगत होना चाहिए था।' शिवसेना ने कहा कि प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश प्रशासन से तीखे सवाल किए कि उनका अपराध क्या था और उन्हें हिरासत में लेने के लिए क्या उनके खिलाफ वारंट जारी किया गया था या उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। संपादकीय में आरोप लगाया गया कि (उत्तर प्रदेश) प्रशासन ने न सिर्फ उन्हें रोका बल्कि उनके साथ धक्का-मुक्की भी की गई। इसमें कहा गया, 'प्रियंका गांधी एक निर्भीक नेता एवं योद्धा हैं। उनकी आंखों और आवाज में इंदिरा गांधी जैसा ही जज्बा है।'

मंगलवार को, प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि उन्हें सीतापुर में पीएसी परिसर में अवैध रूप से रखा जा रहा था, उन्हें कोई नोटिस या प्राथमिकी नहीं दी गई, और उन्हें अपने कानूनी वकील से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। अधिकारियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने शांति भंग होने की आशंका के कारण उनके और 10 अन्य लोगों के खिलाफ एहतियातन हिरासत से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। शिवसेना ने दावा किया कि प्रियंका गांधी का 'अपमान' किया गया। मराठी समाचार-पत्र ने कहा कि अगर यह महाराष्ट्र में भाजपा की किसी महिला कार्यकर्ता के साथ हुआ होता तो पार्टी अपनी महिला स्वयंसेवियों की पूरी फौज खड़ी कर देती।

सार समाचार

रूस में कोरोना वायरस से पहली बार एक दिन में 900 से अधिक लोगों की मौत हुई

मास्को। रूस में पहली बार बुधवार को कोरोना वायरस से होने वाली मौतों की दैनिक संख्या 900 को पार कर गयी। कोविड-19 मरीजों की मौत संबंधी यह आंकड़ा ऐसे समय सामने आया है जब देश में टीकाकरण की दर कम है और सरकार नए मामलों पर काबू के लिए सख्त प्रतिबंध लगाने की इच्छुक नहीं है। रूस के कोरोना वायरस टास्क फोर्स ने बुधवार को 929 मरीजों की मौत होने की जानकारी दी। इससे पहले मंगलवार को 895 मरीजों की मौत होने की रिपोर्ट थी। टास्क फोर्स ने बुधवार को संक्रमण के 25,133 नए मामले सामने आने की भी पुष्टि की। वायरस से संक्रमण और मरीजों की मौत होने की संख्या में वृद्धि सितंबर के अंत में शुरू हुई। क्रेमलिन ने आरोप लगाया है कि बहुत कम रूसी नागरिक टीका लगवा रहे हैं। मंगलवार तक, रूस के 14.6 करोड़ लोगों में से लगभग 33 प्रतिशत को कोरोना वायरस टीके की कम से कम एक खुराक मिली थी जबकि 29 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। संक्रमण और मौतों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने के बाद भी सरकारी अधिकारियों ने लॉकडाउन लगाने के विचार को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वायरस के प्रसार पर काबू के लिए क्षेत्रीय अधिकारी कदम उठाएंगे।

तालिबान ने गुरुद्वारे पर किया हमला, 3 मुस्लिम गार्ड्स समेत कई लोगों को बनाया बंदी

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में पवित्र करता परवन गुरुद्वारे पर तालिबानियों ने मंगलवार को हमला कर दिया है। रिपोर्टस के मुताबिक, तालिबानियों ने गुरूद्वारे के गार्ड्स समेत कई लोगों को पहले बंदी बनाया फिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी नष्ट कर दिया। गुरूद्वारे को नुकसान पहुंचाने के बाद तालिबानी वहां से चले गए।बता दें कि, यह हमला 5 अक्टूबर मंगलवार को दोपहर के समय हुआ। 15 से 16 तालिबानी पहले गुरूद्वारे के अंदर घुसते है और वहीं तैनात तीन मुस्लिम गार्ड्स के हाथ-पैर बाँध बंदी बना लेते है। इस बीच भारी संख्या में आए तालिबानियों ने परिसर के सीसीटीवी को भी तोड़ दिया। इस घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को सूचित कर दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पवित्र गुरूद्वारे का किया गया अपमान

बता दें कि तालिबानियों ने पवित्र गुरूद्वारे में घुसकर उस स्थान का अपमान किया है। इसके अलावा इंडिया वर्ल्ड फोरम के अध्यक्ष पुनीत सिंह चंडोक ने पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय से इस मामले में दखल देने की अपील भी की है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि, देश में हिंदू और सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। बता दें कि काबुल का करता परवन गुरुद्वारा वहीं पवित्र स्थान है जहां, सिखों के गुरु नानक देव जी आए थे। यह वहीं गुरुद्वारा है जहां तालिबानी शासन के आने के बाद हिंदुओं और सिखों ने पनाह लिया था। तालिबान ने यह भरोसा भी जताया था कि, यहां के लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा।

तालिबान ने हजारा जातीय समूह के 13 लोगों की हत्या की: अधिकार समूह

काबुल। तालिबान बलों ने हजारा जातीय समूह के 13 लोगों को हत्या कर दी, जिनमें से अधिकांश वे अफगान सैनिक थे जिन्होंने विद्रोहियों के सामने आत्मसमर्पण किया था।एक प्रमुख अधिकार समूह ने मंगलवार को यह दावा किया। एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक जांच के अनुसार, हत्याएं 30 अगस्त को मध्य अफगानिस्तान के दयाकुंडी प्रांत के कहोर गांव में हुईं। पीड़ितों में से ग्यारह अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा बलों के सदस्य थे और दो आम नागरिक थे। इनमें एक 17 वर्षीय लड़की भी शामिल थी। कथित हत्याएं अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के दो सप्ताह बाद हुईं थीं।

चीन और ईरान ने सीआईए के मुखबिरों को मार डाला

नई दिल्ली। सीआईए ने स्वीकार किया है कि दुनिया भर में उसके कई मुखबिरों को मारा जा रहा है, उन्हें पकड़ा जा रहा है या उनके जासूसों के लिए एक गुप्त मेमो बनाया जा रहा है। डेली मेल की एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। सभी सीआईए स्टेशनों और ठिकानों पर भेजी गई असामान्य केबल या जानकारी में कहा गया है कि काउंटर-इंटेलिजेंस मिशन सेंटर ने पिछले कई वर्षों में दर्जनों मामलों का विश्लेषण किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, मेमो ने मारे गए मुखबिरों की सटीक संख्या दी है, वर्गीकृत जानकारी आमतौर पर ऐसे केबलों में साझा नहीं की जाती है। पूर्व अधिकारियों ने यह भी खुलासा किया है कि चीन और ईरान ने एजेंसी की वर्गीकृत संचार प्रणाली या कोवकॉम को तोड़ दिया और नेटवर्क में शामिल मुखबिरों को मार डाला। मेमो खराब ट्रेडक्राफ्ट के लिए जासूसी करता है, स्रोतों पर अत्यधिक भरोसा करता है, विदेशी खुफिया एजेंसियों को कम आंकता है। रूस, चीन, ईरान और पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में मुखबिरों का शिकार करने में सफलता हासिल की है - और कुछ मामलों में उन्हें दोहरे एजेंटों में बदल दिया है। ईरान और चीन में, कुछ खुफिया अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकियों ने उन विरोधी एजेंसियों को जानकारी प्रदान की है, जो मुखबिरों को बेनकाब करने में मदद कर सकती थीं। प्रतिद्वंद्वी काउंटर-इंटेलिजेंस एजेंसियां अपने स्रोतों की खोज के लिए सीआईए अधिकारियों को ट्रैक करने के लिए बायोमेट्रिक स्कैन, चेहरे की पहचान, एआई और हैकिंग टूल का उपयोग कर रही हैं। 2019 में, सीआईए के पूर्व अधिकारी जेरी चुन शिंग ली को चीनी सरकार को रहस्यमयी या सीक्रेट जानकारी प्रदान करने के लिए 19 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी और तब उनके कम से कम 20 साथी एजेंटों को गिरफ्तार किया गया था और सजा भी दी गई थी। अमेरिकी अधिकारियों को संदेह है कि चीन ने ली से मिली जानकारी को रूस से साझा किया, जिसने इसका इस्तेमाल अमेरिकी जासूसों को बेनकाब करने, गिरफ्तार करने और मारने के लिए किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन निष्कर्षों ने सीआईए को चीन में मानव जासूसी को अस्थायी रूप से बंद करने और दुनिया भर में खुफिया संपत्तियों के साथ संचार करने के तरीके का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है।

कोरोना को लेकर एक बार फिर कटघरे में चीन, महामारी से पहले ही खरीद लिए थे बड़ी मात्रा में पीसीआर किट

कोलंबो। (एजेंसी)।

साल 1978 में अमिताभ बच्चन की फिल्म आई थी 'डॉन' जिसमें डॉन का किरदार निभाने वाले अमिताभ मोनिका से कहते हैं कि रिवाल्वर खाली है, ये डॉन जानता है, मोनिका जानती है, लेकिन पुलिस नहीं जानती। अब दुनिया के सभी लोग पुलिस की भूमिका में है लेकिन डॉन जो है उसके सारी असलियत का पता है। कोरोना वायरस कहां से आया, कब आया और कैसे आया। इन सवालों का जब भी जिक्र बोता है तो नजर चीन पर जाकर टिकती है। लेकिन अपनी सबूतों की इमारतों पर चीन इस बात को झूठला देता है या पीछे हट जाता है। कोरोना को लेकर चीन से जुड़े खुलासे लगातार सामने आते रहे हैं। अब एक साइबर सुरक्षा फर्म द्वारा किए गए शोध से एक बड़ा खुलासा हुआ है और ये साबित होता है कि कैसे कोरोना को लेकर चीन सच पर लगातार पर्दा डालता रहा है और यहां तक की विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी अंधेरे में रखा है।

बड़ी मात्रा में की गई पीसीआर किट की खरीद

ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की संयुक्त साइबर सुरक्षा फर्म द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार चीन के जिस प्रांत में कोरोना के मामले आए और ये महामारी का केंद्र बना। उस जगह पर महीनों पहले से ही कोरोना महामारी की जांच के लिए इस्तेमाल में लाई जाने वाली जांच किट पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) की खरीदारी बड़ी मात्रा में शुरू हो गई थी। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) को चीन की ओर से कोरोना के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी थी। बता दें कि पीसीआर किट को जांचकर्ता संक्रामक या जेनेटिक बीमारी को लेकर डीएनए सैंपल की जांच करते हैं।सिक्योरिटी फर्म इंटरनेट-2.0 के मुताबिक चीन के हूबेई प्रांत में 2019 में पीसीआर टेस्ट किट की डिमांड अचानक बढ़ गई। 2019 में हुबेई प्रांत में RT-PCR टेस्ट पर 67.4 मिलियन युआन (10.5 मिलियन डॉलर) खर्च किए गए, जो 2018 में हुई टेस्टिंग से दोगुने थे। इसे हम RT-PCR टेस्ट के नाम से भी जानते हैं।

वुहान, एक बड़ा चीनी शहर जहां वायरस के पहले ज्ञात मामले सामने आए, हुबेई प्रांत में स्थित है। 31 दिसंबर 2019 को चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) को बताया था कि उन्हें वुहान शहर में निमोनिया का एक अजीब केस मिला है। इसके बाद 7 जनवरी 2020 को चीनी अधिकारियों ने नए प्रकार के कोरोना वायरस की पहचान की, जिसे SARC-CoV-2 के रूप में जाना गया। तब से, यह दुनिया के लगभग हर कोने में फैल गया है, 230 मिलियन से अधिक लोगों को संक्रमित करने के साथ ही 4.8 मिलियन से अधिक लोगों की जान ले ली है।

भारत के खिलाफ किसी भी गतिविधि के लिए श्रीलंका का इस्तेमाल नहीं होने देंगे: राजपक्षे

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने मंगलवार को भारत को आश्वासन दिया कि श्रीलंका की जमीन की किसी भी ऐसी गतिविधि के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

राजपक्षे ने विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला को चीन के साथ कोलंबो के संबंधों के बारे में व्यापक तौर पर अवगत कराया। उन्होंने इसके साथ ही महामारी के बाद अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार सहित कई मुद्दों पर उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने मंगलवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे से मुलाकात की तथा सभी स्तरों पर समग्र द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच मित्रता और सहयोग के मजबूत संबंधों पर बल दिया।

श्रृंगला भारत और श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए चार दिवसीय यात्रा पर शनिवार को यहां पहुंचे थे। श्रीलंका के राष्ट्रपति सचिवालय से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, श्रृंगला के साथ बैठक के दौरान राजपक्षे ने कहा, श्रीलंका की जमीन की किसी भी ऐसी गतिविधि के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

विज्ञप्ति के मुताबिक, राजपक्षे ने चीन के साथ संबंधों की प्रकृति को लेकर व्यापक तौर पर विवरण दिया और भारतीय विदेश सचिव को सूचित किया कि इस बारे में कोई संशय नहीं होना चाहिए। चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है और वह बंदरगाहों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। इसके अलावा, चीन कोविड महामारी से जूझ रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रहा है। इससे पहले, भारतीय उच्चायोग ने यहां एक ट्वीट में कहा, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने आज राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की।

उच्चायोग ने कहा, उन्होंने भारत और श्रीलंका के बीच मित्रता और सहयोग के मजबूत संबंधों पर जोर दिया तथा सभी स्तरों पर इस व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। यह मुलाकात राष्ट्रपति राजपक्षे के अमेरिका से लौटने के एक दिन बाद हुई।

राजपक्षे संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क गए थे। अधिकारियों ने कहा कि श्रृंगला ने दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने और महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम करने को लेकर भारत की इच्छा व्यक्त की तथा पारस्परिक हित की संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

भारतीय उच्चायोग ने यहां कहा कि विदेश सचिव की कोलंबो, कैंडी, त्रिंकोमाली और जाफना में हुईं बैठकें ''सार्थक'' रहीं। इसने ट्वीट में कहा, ''उनकी यात्रा से भारत-श्रीलंका संबंधों में और गति आएगी।'' विदेश सचिव ने यहां भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों से भी बातचीत की। उच्चायोग ने एक ट्वीट में कहा, उच्चायोग टीम उनके प्रोत्साहन और समर्थन के लिए वास्तव में आभारी है।''

इससे पहले सोमवार को श्रृंगला ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से मुलाकात की और उनसे बहुआयामी द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने के संबंध में 'सकारात्मक वार्ता' की। श्रृंगला ने श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे और विदेश मंत्री जीएल पीरिस से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

अच्छी खबर! कोरोना वायरस के नये मामलो में पिछले सप्ताह आई गिरावट

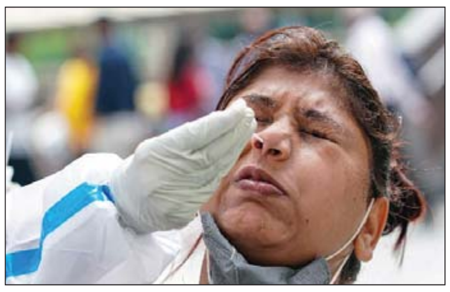

जेनेवा (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों की संख्या में पिछले सप्ताह गिरावट आई है। वैश्विक स्तर पर मामलों में गिरावट आने का सिलसिला जारी है जो अगस्त में शुरू हुआ था। महामारी के अपने नये आकलन में, संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि पिछले सप्ताह कोविड-19 के 31 लाख नये मामले थे, जिनमें नौ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और लगभग 54,000 मौतें हुईं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यूरोप को छोड़कर दुनिया के सभी क्षेत्रों में मामलों की संख्या में गिरावट आई है।

कोविड-19 मामलों में अफ्रीका में लगभग 43 प्रतिशत, पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया दोनों में लगभग 20 प्रतिशत और अमेरिका तथा पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में 12 प्रतिशत की गिरावट आई है। महामारी से मौत के मामलों में सबसे ज्यादा गिरावट अफ्रीका में देखी गई, जहां संख्या में करीब एक चौथाई की कमी आई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि लगभग एक तिहाई अफ्रीकी देश सितंबर के अंत तक अपनी कम से कम 10 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने में सफल रहे। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने बार-बार अमीर देशों से साल के अंत तक बूस्टर खुराक देने का आग्रह किया है।

कोमा में रहने के दौरान महिला ने दिया बेटी को जन्म, डॉक्टर्स बोले-हैरान कर गया केस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कहते हैं डॉक्टर्स भगवान के समान होते हैं उन्हें जीवन बचाने की उपाधि दी जाती है, क्योंकि डॉक्टर्स अपने मरीज़ को आखिरी सांस तक बचाने के लिए हर संभव प्रयास करता है। कई बिगड़े केस ऐसे होते हैं जिनमें मरीज़ के मृत्यू की उम्मीद सौ फीसदी तक होती है लेकिन कई बार करिश्माई तरीके से डॉक्टर्स उन्हें भी बचा लेते हैं। ऐसे में, अगर डॉक्टर खुद किसी केस को लेकर सोच में पड़ जाए तो वाकई वो मामला बेहद चौंकाने वाला हो सकता है। जी हां, ऐसा ही एक यूके में चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसमें कोमा में चल रही एक प्रेगनेंट महिला ने बच्चे को जन्म दिया है।

प्रेगनेंसी के दौरान कोमा में थी महिला

'द सन' की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूके की रहने वाली केल्सी राउट्स महिला 28 सप्ताह की गर्भवती थी। उसे सांस न आने की तकलीफ के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद उसमें कोरोना की पुष्टी पाई गई थी। उसकी हालत इतनी बिगड़ कई कि वह कोमा में चली गई। इलाज के दौरान डॉक्टर्स ने उसे आराम मिलने के लिए उसे इंड्यूज्ड कोमा में भेज दिया। लेकिन जब उसे होश आया और डॉक्टरों ने बताया कि उसने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है तो महिला की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा।

डॉक्टरों ने ऐसे बचाई महिला-बच्ची की जान

केल्सी तब भी बेहोश थीं जब डॉक्टरों ने एक इमर्जेंसी सीजेरियन सेक्शन कर उनकी डिलीवरी कराई। केल्सी की डेट से लगभग 3 महीने यानी 12 हफ्ते पहले ही डिलीवरी कराई गई। बच्ची के जन्म के 7 दिन बाद वो कोमा से बाहर आईं। अपनी बच्ची को देख उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्हेंने कहा, 'ये सब कुछ कमाल था।'

महिला ने कहा यह चमत्कार जैसा

केल्सी ने कहा ये सब देख में बहुत शॉक्ड थी। वो आगे कहती हैं कि 'मैं जानती हूं कि डॉक्टरों ने मुझे और मेरी बच्ची को बचाने के लिए ये किया। उन्होंने कहा कि जो भी हुआ है हम उससे बेहद खुश हैं' तीन बच्चों की मां केल्सी ने कहा कि यह एक 'चमत्कार' जैसा था, डॉक्टरों ने मेरी और मेरी बच्ची दोनों की जान बचाई है।

आइएसआई चीफ फैज हामिद का तबादला, पेशावर कोर का बनाया गया कमांडर

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तानी सेना ने चौंकाने वाला एक कदम उठाते हुए बुधवार को शक्तिशाली खुफिया एजेंसी

आईएसआई के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद का स्थानातंरण कर दिया। हमीद को पेशावर कोर का कमांडर बनाया गया है। उनके स्थानांतरण के बाद इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आइएसआई) के नए प्रमुख की अभी घोषणा नहीं की गई है। हमीद को 16 जून, 2019 को एजेंसी का प्रमुख नियुक्त किया गया था। उससे पहले उन्होंने आईएसआई में आंतरिक सुरक्षा के प्रमुख के रूप में काम किया था।

हमीद को सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा का करीबी माना जाता है और उन्हें ऐसे महत्वपूर्ण समय में आईएसआई प्रमुख नियुक्त किया गया था जब कई बाहरी और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां थीं। उन्होंने सितंबर में काबुल का दौरा किया था और मीडिया के साथ एक संक्षिप्त बातचीत में कहा था कि अफगानिस्तान में सब कुछ ठीक हो जाएगा। उन्होंने यह बयान उस समय दिया था जब सरकार की घोषणा में देरी के कारण तालिबान अधिकारियों के बीच मतभेदों की अफवाहें थीं। सेना ने एक आधिकारिक बयान में वरिष्ठ स्तर पर दो और नियुक्तियों की भी घोषणा की। इसमें कहा गया है कि लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद आमिर को गुजरांवाला कोर का कमांडर नियुक्त किया गया है जबकि लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर को सेना का क्वार्टर मास्टर जनरल (क्यूएमजी) नियुक्त किया गया है।

फेसबुक ठप्प होने के बाद मार्क जकरबर्ग को हुआ भारी नुकसान, कुछ घंटों में गंवाए 600 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप की सेवाएं करीब छह घंटे तक बंद रहने के बाद बहाल हो गयी लेकिन इसका असर काफी ज्यादा हुआ। शेयर बाजार में फेसबुक के शेयर नीचे गिर गये और कुछ ही घंटों में कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग की पॉजिशन भी खिसक गयी। एक रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को छ से सात घंटों के लिए फेसबुक , इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप बंद हो गया जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। सर्विसे ठप होने के बाद कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग को 600 करोड़ डॉलर (भारतीय मुद्रा अनुसार करीब 4,47,34,83,00,000 रुपये) का नुकसान हुआ। रिपोर्स के अनुसार मार्क जकरबर्ग अपनी मौजूदा पॉजिशन से एक पायदान नीचे आ गये। दुनिया के सबसे अमीरों की लिस्ट में जकरबर्ग एक पायदान फिसलकर माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से नीचे आ गये हैं।

जकरबर्ग भारी नुकसान, कुछ घंटों में गंवाए 600 करोड़ डॉलर

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, इससे जुकरबर्ग अरबपतियों में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। अब वह बिल गेट्स के बाद 120.9 अरब डॉलर के साथ छठे स्थान पर हैं। सितंबर के मध्य से फेसबुक के शेयरों में 15 फीसदी की गिरावट के साथ लगभग 5 फीसदी की गिरावट आई है। सितंबर के मध्य से फेसबुक के शेयरों में 15 फीसदी की गिरावट के साथ लगभग 5 फीसदी की गिरावट आई है। द इंडेक्स के मुताबिक, जुकरबर्ग कुछ ही हफ्तों में करीब 140 अरब डॉलर से नीचे आ गए हैं। 13 सितंबर को, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने आंतरिक दस्तावेजों के संचय के आधार पर कहानियों की एक श्रृंखला प्रकाशित करना शुरू किया, जिससे पता चला कि फेसबुक अपने उत्पादों के साथ समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानते था- जैसे कि किशोर लड़कियों के मानसिक स्वास्थ्य को इंस्टाग्राम का नुकसान और इसके बारे में गलत जानकारी जनवरी 6 दिल्ली दंगे- सार्वजनिक रूप से मुद्दों को कम करते हुए।

फेसबुक हुआ 6 घंटे के लिए ठप

फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप की सेवाएं करीब छह घंटे तक बंद रहने के बाद आखिरकार बहाल हुईं। इस दौरान विश्वभर में लाखों लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा , जिसको लेकर फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग सहित कम्पनी के कई अधिकारियों ने माफी मांगी है। फेसबुक के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच सोमवार रात ठप पड़ गए थे। कैलिफोर्निया स्थित कम्पनी ने सोमवार देर रात कहा,'' सेवाएं ठप होने का मूल कारण एक दोषपूर्ण 'कॉन्फ़िगरेशन' (विन्यास-व्यवस्था) परिवर्तन था। सेवाएं ठप पड़ने के कारण उपयोगकर्ताओं की जानकारी में सेंधमारी के कोई सबूत नहीं है।''

फेसबुक के उपाध्यक्ष (इंफ्रास्ट्रक्चर) संतोष जनार्दन ने कहा, '' हमारी सेवाएं बहाल हो गई हैं और हम उसे पूर्ण रूप से पटरी पर लाने के लिए काम कर रहे हैं।हम पर निर्भर दुनियाभर के लोगों और व्यवसायों....आज सेवाएं ठप होने से आपको हुई परेशानी को लेकर हमें खेद है। हम अपनी सेवाओं को बहाल करने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं और हमारी सेवाएं अब बहाल हो गई हैं। '' भारतीय-अमेरिकी अधिकारी ने एक बयान में कहा, '' हम प्रभावित सभी लोगों से क्षमा चाहते हैं और हम आज जो हुआ, उसके बारे में अधिक समझने के लिए काम कर रहे हैं ताकि हम अपने बुनियादी ढांचे को अधिक लचीला बनाना जारी रख सकें।'' तीनों सेवाओं का स्वामित्व फेसबुक के पास है और वेब या स्मार्टफोन ऐप पर यह काम नहीं कर रही थीं। 'आईफोन' और 'एंड्रॉइड' दोनों पर व्हाट्सऐप उपयोगकर्ता फोन या वीडियो कॉल नहीं कर पा रहे थे और ना ही संदेश भेज या प्राप्त कर पा रहे थे। इन तीनों सोशल मीडिया मंच के उपयोगकर्ता काफी समय तक परेशान रहे, क्योंकि उन्हें बार-बार 'एरर' (त्रुटि) के संदेश आ रहे थे। इसके परिणामस्वरूप सिलिकॉन वैली स्थित फर्म फेसबुक के शेयरों में लगभग पांच प्रतिशत की गिरावट भी आई।

संपादकीय

महिलाओं के हक में

लखनऊ में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल महिलाओं के हक में जो घोषणा की, वह सराहनीय तो है ही, उसके गहरे निहितार्थ भी हैं। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों के 75 हजार लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित घरों की चाबी सौंपते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से दिए जाने वाले मकानों का मालिकाना हक महिलाओं के नाम होगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि निचले स्तरों पर देश की महिलाओं की आर्थिक स्थिति दयनीय है और इस तरह के सरकारी प्रयास न सिर्फ उनके भीतर आर्थिक सुरक्षा के भाव पैदा करेंगे, बल्कि उनकी पारिवारिक-सामाजिक हैसियत में भी इनसे इजाफा होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने यह अहम सूचना भी दी कि अब तक इस योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में जितने भी आवास आवंटित किए गए हैं, उनमें से 80 प्रतिशत से भी ज्यादा घर महिलाओं के नाम पंजीकृत हैं। किसी भी देश की तरक्की को मापने की जो आधुनिक कसौटियां हैं, उनमें एक अहम कसौटी यह है कि वहां की स्त्रियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति कैसी है? निस्संदेह, विगत कुछ दशकों में भारत ने महिलाओं के उन्नयन के लिहाज से सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है। महिला साक्षरता दर जहां 70 फीसदी से भी ऊपर पहुंच गई है, तो वहीं सुरक्षित मातृत्व के मामले में भी देश ने अच्छी प्रगति की है। दो दशक पहले प्रति एक लाख प्रसव के दौरान 300 से अधिक माओं की जान चली जाती थी, आज यह संख्या घटकर 110 के करीब आ गई है। स्थानीय निकायों में उनका प्रतिनिधित्व पुरुषों के बराबर हो चला है। लेकिन आर्थिक मामले में अब भी उन्हें लंबा सफर तय करना है, और उनकी वास्तविक प्रगति तभी संभव होगी, जब वे आर्थिक रूप से खुदमुख्तार हो सकेंगी। हाल के वर्षों में हुए कई कानूनी प्रावधानों ने पैतृक संपत्ति में बेटी को स्पष्ट वैधानिक अधिकार दिए हैं, मगर हकीकत यही है कि एक बेटी या बहू के लिए खानदानी जायदाद से हिस्सा हासिल करना सामाजिक तौर पर अब भी बहुत कठिन है। देश के संविधान ने तो अपने वजूद के साथ ही उन्हें सारे हक बराबरी से दिए, मगर पितृ सत्तात्मक समाज को सदियों पुरानी जकड़न से निकलने में वक्त लगना ही था। ऐसे में, एक के बाद दूसरी सरकारों, नीति-निर्धारकों ने उनके सशक्तीकरण के लिए कदम उठाए हैं। मसलन, स्त्रियों के मालिकाना हक को प्रोत्साहित करने के लिए न सिर्फ उनके नाम संपत्ति के पंजीकरण शुल्क में बड़ी छूट घोषित की गई, बल्कि विभिन्न प्रकार के करों में भी रियायतें दी गई हैं। हालांकि, आदर्श स्थिति तक पहुंचने के लिए अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी कोशिशें इस लिहाज से सार्थक पहल कही जाएंगी। प्रधानमंत्री की घोषणा के गहरे राजनीतिक संदेश भी हैं। कई मौकों पर वह यह जता चुके हैं कि उनकी चुनावी सफलताओं में महिला शक्ति का भारी योगदान है। जाहिर है, चंद महीनों बाद ही कई बड़े प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में उन्हें महिला वोटरों से मुखातिब होना है। ऐसे में, उन्हें आश्वस्त करने का एक और आधार प्रधानमंत्री के पास होगा। बहरहाल, देश की स्थायी खुशहाली के लिए यह जरूरी है कि महिलाएं आर्थिक धरातल पर पूरी मजबूती से खड़ी हों।

'आज के ट्वीट

सजा

26 सितंबर को कोटखावदा में हुए 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 13 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर अगले 5 घंटे में अदालत में चालान पेश कर दिया था। 4 कार्यदिवस में FSL रिपोर्ट तैयार हुई और 5 कार्यदिवस में पॉक्सो कोर्ट ने अपराधी को 20 साल जेल की सजा सुनाई है।

-- मु. अशोक गहलोत

केंद्र सरकार, कामधेनु दीपावली अभियान और भारतीय समाज

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

गाय भारतीय जीवन में परंपरागत रूप से कामधेनु के रूप में पूजित रही है। कामधेनु के अर्थ में जाएं तो कामधेनु सनातन हिन्दू धर्म में एक देवी है, जिनका स्वरूप गाय का है। कामधेनु जिसके पास होती हैं वह जो कुछ माँगता है, उसे वह मिल जाता है। (काम = इच्छा , धेनु=गाय)। इसके अन्य नामों की यहां चर्चा की जाए तब वे अन्य नाम हैं- सुरभि, जिसका अर्थ हुआ मीठी सुगंध और दिव्य गाय। सबला का अर्थ हुआ सशक्त स्वरूपा, दया, ममता, त्याग, दृद इच्छा शक्ति जैसे भाव एक साथ जिसमें समाहित हों। कपिला का तात्पर्य एक सीधी गाय, सफेद या भूरे रंग की दिव्य गाय है। कामदूह के अर्थ में कामनाओं यानी इच्छाओं की पूर्ति करने वाली। ज्योति के अर्थ में जो स्वयं से प्रकाशित या प्रकाशमान हैं और गौ माता का अर्थ तो हम सभी जानते हैं। वेद भारत के ही सबसे प्राचीन ग्रंथ हैं, ऐसा नहीं है, बल्कि दुनिया के ये प्राचीनतम ग्रंथ हैं। प्रोफेसर विंटरनिट्ज मानते हैं कि वैदिक साहित्य का रचनाकाल 2000-2500 ईसा पूर्व हुआ था। किंतु उनकी इस बात को लेकर विद्वानों में मतभेद है। कुछ विद्वानों ने वेदों के रचना काल की शुरुआत 4500 ई.पू. से मानी है। वैदिक साहित्य के प्रसिद्ध विद्वान डॉ. कपिल देव द्विवेदी का मत है की दुनिया का ज्ञात इतिहास 10 हजार वर्ष से अधिक का नहीं है, इसलिए 4000 ईसा पूर्व से वेदों की रचना शुरू होकर के 1000 ईसा पूर्व तक वेदों की रचना होती रही होगी। इसके अतिरिक्त महर्षि दयानंद द्वारा लाखों वर्ष पूर्व का सिद्धांत प्रतिपादित किया है। इस तरह से देखें तो ईसा से कितने वर्षों पहले यह लिखे जा चुके थे, इसका सही अंदाजा अब तक कोई नहीं लगा पाया है। वेदों की 28 हजार पांडुलिपियाँ भारत में पुणे के 'भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट' में रखी हुई हैं। इनमें से ऋग्वेद की 30 पांडुलिपियाँ बहुत ही महत्वपूर्ण हैं जिन्हें यूनेस्को ने विरासत सूची में शामिल किया है। यूनेस्को ने ऋग्वेद की 1800 से 1500 ई.पू. की 30 पांडुलिपियों को सांस्कृतिक धरोहरों की सूची में शामिल किया है। वेद को 'श्रुति' भी कहा जाता है। 'श्रु' धातु से 'श्रुति' शब्द बना है। 'श्रु' यानी सुनना। सनातन से मान्यता यही है कि मन्त्रों को ईश्वर (ब्रह्म) ने प्राचीन तपस्वियों को अप्रत्यक्ष रूप से सुनाया था जब वे गहरी तपस्या में लीन थे। सर्वप्रथम ईश्वर ने चार ऋषियों को इसका ज्ञान दिया था, वे अग्नि, वायु, अंगिरा और आदित्य थे। वैदिक काल की वाचिक परंपरा में पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह प्रदाय किए जा रहे हैं। विद्वानों ने संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद इन चारों के संयोग को समग्र वेद कहा है। ये चार भाग सम्मिलित रूप से श्रुति कहे जाते हैं। बाकी ग्रंथ स्मृति के अंतर्गत आते हैं। इन सभी ग्रंथों में गाय के महत्व को गहराई से बताया गया है।

'देवो वः सविता प्रार्पयतु श्रेष्ठतमाय कर्मण आप्यायध्वमन्या इन्द्राय भागं प्रजावतीरनमीवाँ अयक्ष्मा मावस्तेन ईशत माघरों सो धुवा अस्मिन्गोपतौ स्यात्॥'(शुक्ल यजुर्वेद, 111)

हे गौओं ! प्राणियों को सत्कार्यों में प्रवृत्त कराने वाले सवितादेव, आपको हरित शस्य संपन्न विस्तृत क्षेत्र कर्मों का अनुष्ठान होता है। हे गौओं ! आप इन्द्र के क्षीर मूलक भाग को बढ़ावें अर्थात् अधिक दूध देने वाली हों। आपकी कोई चोरी न कर सके, व्याघ्रादि हिंसक जीव भी आपको न मार सकें, क्योंकि आप तमोगुणी दुष्टों द्वारा मारे जाने योग्य नहीं हो। आप बहुत संतान उत्पन्न करने वाली हैं जिनसे संसार का बहुत कल्याण होता है। आप जहाँ रहती हैं वहाँ किसी भी प्रकार की व्याधि नहीं आ सकती! यहाँ तक कि यक्ष्मा (तपेदिक) आदि राजरोग भी आपके पास नहीं आ सकते, अतएव आप सर्वदा यजमान के घर में सुख पूर्वक निवास करें। गावो भगो गाव इन्द्रो मे-अर्थात गायें ही भाग्य और गायें ही मेरा ऐश्वर्य हैं । अथर्ववेद सा. 4.21.5, इससे अगले मंत्र में में आया है भद्रम गृहं कृणुभ भद्रवाचो ब्रहद्वो वय उच्यते सभासु यानी कि मधुर बोली वाली गायें घर को कल्याणमय बना देती हैं। सभाओं में गायों की बहुत कीर्ति कही जाती है। इसीलिए यहां स्व आ दमे सुदुधा पस्य धेनु- अर्थात अपने घर में ही उत्तम दूध देने वाली गौ हो। ऋग्वेद 2.35.7 में यह कहा गया है, फिर अथर्व 9.4.20 वां मंत्र गाव सन्तु प्रजा- सन्तु अथाअस्तु तनूबलम्। अर्थात् घर में गायें हों, बच्चे हों और शरीर में बल हो, ऐसी प्रार्थना की गयी है। जबकि शतपथ ब्राह्मण में 7.5.2.34 में कहा गया है-सहस्रो वा एष शतधार उत्स यदगौः। अर्थात भूमि पर टिकी हुई जितनी जीवन संबंधी कल्पनाएं हैं उनमें सबसे अधिक सुंदर सत्य, सरस, और उपयोगी यह गौ है। यजुर्वेद कहा गया, 'गोस्तु मात्रा न विद्यते' अर्थात् गाय के गुणों की कोई सीमा या मात्रा नहीं होती। गाय अनेक प्रकार से मनुष्य की कामनाओं को पूर्ण करती है। गाय का दूध अमृत के तुल्य है। गाय से प्राप्त पांच वस्तुयें (अवयव) औषधि के रूप में प्रयोग में आते हैं, जिसको पंचगव्य कहा गया है। वस्तुतः गाय को लेकर इतनी बड़ी भूमिका बनाने एवं उसके बारे में वैदिक परंपरा के ये कुछ उदाहरण यहां रखने के पीछे का उद्देश्य इतना भर है कि सत्ता में आने के बाद से अब तक केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, मध्य प्रदेश सरकार से लेकर तमाम सरकारों का ध्यान गौ आधारित लघु उद्योगों और गौ कृषि पर विशेष रूप से देखने को मिल रहा है। केंद्र की मोदी सरकार इस दिशा में बहुत अच्छा कार्य भी कर रही है, किंतु व्यवहार में दिखाई दे रहा है कि समाज से जितना अधिक सहयोग इसे मिलना चाहिए था, वह अभी तक देखने में नहीं आया। ऐसे में चिंता यह है कि केंद्र सरकार ने जो 'कामधेनु दीपावली अभियान' की शुरुआत है, वह कैसे सफल होगा ? हालांकि यह सच है कि पिछले वर्ष दीपावली पर चीन को भारत में तकरीबन 40 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। किंतु इसके साथ यह भी सच है कि भारतीय समाज की यह प्रतिक्रिया सर्वप्यापी नहीं थी, यदि होती तो यह नुकसान इस आंकड़े की तुलना में कई गुना अधिक होता। राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभभाई कथीरिया कह रहे हैं कि कामधेनु दीपावली, देशी गाय को दूध, दही, घी के साथ-साथ गौमूत्र तथा गोबर के माध्यम से भी आर्थिक रूप से उपयोगी बनाने का अभियान है। देश में 100 करोड़ गोमय दीये प्रज्ज्वलित करने और गोमय लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति से घर-घर में दीपावली पूजन सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है। इससे गौ शालाएं आत्मनिर्भर होंगी। किंतु इसके साथ ही चिंता की मुख्य वजह यह है कि देश में सस्ते के लोभ में चीन से आयातित सामान सुदूर ग्रामों तक आसानी से पहुंच रहा है और हम अपनी ही श्रेष्ठ वस्तुओं को निर्माण के बाद भी उन्हें घर-घर नहीं पहुंचा पा रहे हैं। यहां हम चीन के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम्स द्वारा जारी आंकड़े जरूर देखें, इसके अनुसार इस वर्ष पहली छमाही में भारत-चीन आयात में 69.6 फीसदी और निर्यात में 60.4 फीसदी की बढ़त हुई है। 2021 की जनवरी से जून तक पहली छमाही में भारत-चीन व्यापार में कुल 62.7 फीसदी की जबरदस्त बढ़त हुई और यह 57.4 अरब डॉलर (लगभग 4.28 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया। जोकि 2020 की पहली छमाही में हुए 44.72 अरब डॉलर के व्यापार से भी ज्यादा है। यह तब है जब चीन सीमा पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश कर रहा है। इन आंकड़ों से स्पष्ट हो जाता है कि चीन व्यापार के मामले में भारत से कहीं अधिक लाभ की स्थिति में है। वस्तुतः चिंता का कारण भी यही है कि भारतीय समाज की उसके बनाए सामान पर निर्भरता बनी हुई है, हम सस्ते के चक्कर में मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा 'कामधेनु दीपावली' जैसे एक श्रेष्ठ अभियान को भारतीय समाज के जागृत हुए वगैर सफल बनाना संभव नहीं है, इसलिए अच्छा हो देश के सभी स्वयंसेवी संस्थान 'स्वदेशी जागरण' के अभियान को आज अपने हाथों में लें। हर घर जाकर बताएं कि भले ही कुछ रुपए अधिक देने पड़ें तो दें, वे ऐसा कर किसी भारतीय के घर को ही प्रकाशमान करेंगे। किंतु हर हाल में चीनी सामान का बहिष्कार करें। यह अभियान सरकार का नहीं समाज का अभियान बने, इसके लिए सभी ओर से तेज प्रयास करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है।

(लेखक सेंसर बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य हैं।)

स्वस्थ शरीर

जग्गी वासुदेव

स्वास्थ्य के बारे में सबसे सरल बात यह है कि आप बस शरीर का उपयोग करें। मैं तो कहूंगा कि हम अपने शरीरों का जितना संभव है उतना उपयोग करें, तो इस धरती की 80 फीसद बीमारियां गायब हो जाएंगी। बाकी की 20 फीसद में से 10 फीसद खाद्य पदाथरे के कारण होती हैं, जो लोग खाते हैं। आप उसे बदल दें तो सिर्फ 10 फीसद बीमारियां ही रह जाएंगी जो कई कारणों से होती हैं। एक कारण तो कर्म संबंधी है, दूसरा वातावरण का है तथा कुछ और पहलू हैं जो आपकी शारीरिक व्यवस्था पर प्रभाव डालते हैं, जिन्हें हम संभाल सकते हैं। सभी बीमार लोगों में 90 फीसद लोग अपने शरीर का अच्छा उपयोग कर तथा सही ढंग का खाना खा कर, उसे ठीक कर सकें तो बाकी के 10 फीसद को आराम से संभाला जा सकता है। लोग इस तरह से व्यवहार कर रहे हैं जैसे कि स्वास्थ्य हमारा कोई विचार है, और हमने स्वास्थ्य को बनाया है। परंतु स्वास्थ्य कोई ऐसी वस्तु नहीं है जिसका आपने आविष्कार किया हो। यह आपका विचार नहीं है। जब जीवन प्रक्रिया सही चलती है तो वो ही स्वास्थ्य है। आप जीवन को पूरी तरह से होने देंगे तो शरीर स्वस्थ ही रहेगा। अतः आप को सिर्फ अपने शरीर, दिमाग और अपनी ऊर्जाओं का सही उपयोग करना है। ये तीन चीजें सही तरह के अभ्यास में हैं, संतुलित हैं तो आप स्वस्थ रहेंगे। मेरे साथ एक बार ऐसा हुआ। काफी पहले, दूसरे या तीसरे भाव स्पंदन कार्यक्रम के दौरान हुआ। मैं यह कार्यक्रम एक छोटी-सी जगह पर कर रहा था जहां मुझे सीढ़ियों पर से अनगिनत बार ऊपर-नीचे आना-जाना पड़ता था, क्योंकि व्यवस्था उसी तरह की थी। एक दिन, जब कार्यक्रम का संचालन भी कर रहा था और रसोईघर का प्रबंधन भी, मैंने गिनती की और पाया कि उस दिन मैं सीढ़ियों पर 125 बार चढ़ा-उतरा था। पर कार्यक्रम के अंत में एकदम स्वस्थ था। आप अचानक बहुत अधिक गतिविधि कर डालें तो आप थक सकते हैं, बीमार हो सकते हैं। पर आप अपने जीवन में, अपनी गतिविधि को धीरे-धीरे बढ़ाएं तो आपका शरीर, मन और ऊर्जा संबंधी स्वास्थ्य सुधरेगा। आपका शरीर अच्छे से काम कर रहा है, आपका मन भी अच्छे से काम कर रहा है और आपकी ऊर्जा दोनों का साथ दे रही है तथा सुनिश्चित कर रही है कि कुछ भी गलत न हो, तो यही स्वास्थ्य है।

सत्ता संग दुरभिसंधि पर अब नकेल

अनूप भटनागर

केंद्र या राज्यों में सत्ता परिवर्तन के साथ ही नौकरशाहों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के एक वर्ग के रवैये में बदलाव आने और राजनीतिक विरोधियों को झूठे मामले में कथित रूप से फंसाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। इस स्थिति पर न्यायपालिका लगातार चिंता व्यक्त कर रही है। लगता है कि इस स्थिति में सुधार के लिए सत्तारूढ़ दल के विरोधियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करके ज्यादतियां करने वाले नौकरशाह, विशेषकर, पुलिस अधिकारियों की गतिविधियां न्यायिक निगरानी में आ सकती हैं। कई बार नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों का एक वर्ग सत्तारूढ़ दल के विरोधियों को मनगढ़ंत व झूठे मामलों में फंसाने और उनके गंभीर अपराधों से संबंधित आरोप में मामला दर्ज करके उनका उत्पीड़न करने से भी नहीं चूकता है। पुलिस प्रशासन के कुछ आला अधिकारी सत्तारूढ़ दल के नेताओं के साथ निकटता बनाकर उनके इशारे पर गंभीर अपराध के आरोप में फंसे आरोपियों को कानून के फंदे से बचाने या जेल में उन्हें बेहतर सुविधाएं दिलाने के प्रयास करने में भी संकोच नहीं करते हैं। निकट भविष्य में शिकायतकर्ताओं का उत्पीड़न करने वाले ऐसे नौकरशाह और पुलिस अधिकारियों की गतिविधियां राज्य के उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में गठित किसी समिति की निगरानी की जद में आ जायें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। देश के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक आकाओं के गैर-कानूनी आदेशों पर जानबूझकर अमल करने वाले नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों के आचरण पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने भ्रष्टाचार और राजद्रोह जैसे आरोपों में फंसे छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह के मामले की सुनवाई के दौरान यह नाराजगी व्यक्त की। इसी मामले में शीर्ष अदालत ने पहले भी तल्ख टिप्पणियां की थीं और कहा था कि सत्ता पर काबिज नेताओं के चहेते बनने के प्रयास में पहले तो नौकरशाह और पुलिस अधिकारी राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामले दर्ज करके उन्हें परेशान करते हैं, लेकिन जब विरोधी दल सत्ता में आता है तो उन्हें निशाना बनाने वाले पुलिस अधिकारियों को भी तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। न्यायालय का मानना है कि इस स्थिति के लिए पुलिस अधिकारी स्वयं ही जिम्मेदार हैं जो कानून को ताक पर रखकर राजनीतिक आकाओं के गैर-कानूनी आदेशों को मानते हैं। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। कुछ महीने पहले ही शीर्ष अदालत ने राजद्रोह कानून के कथित दुरुपयोग पर भी चिंता व्यक्त की थी। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि एक गुट के लोग दूसरे समूह के लोगों को फंसाने के लिए इस प्रकार के (दंडात्मक) प्रावधानों का सहारा लेते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि विशेष राजनीतिक दल या कहें कि सत्तारूढ़ दल या गठबंधन के विरोध में उठने वाली आवाज दबाने और उन्हें कानूनी लड़ाई में उलझाने के लिए भी राजद्रोह से संबंधित प्रावधान का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस संबंध में पत्रकार विनोद दुआ और आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ दल के विद्रोही सांसद और दो समाचार चैनलों का मामला ज्वलंत उदाहरण है। एंटीलिया मामले में मुंबई पुलिस के अधिकारी सचिन वाजे की गिरफ्तारी और राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के आरोप भी सत्तारूढ़ दल के साथ सांठगांठ की कहानी बयां करते हैं। इस संबंध में इसरो जासूसी कांड में देश के प्रमुख वैज्ञानिकों को गिरफ्तार करके

उनके मानसिक उत्पीड़न का मामला भी बहुत पुराना नहीं है। इसरो प्रकरण से संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शीर्ष अदालत के फैसले के बाद कार्रवाई की जा रही है। उन्नाव बलात्कार कांड, हाथरस सामूहिक बलात्कार कांड, वाराणसी बलात्कार कांड में पुलिस व प्रशासन का रवैया और सरकारी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले नेताओं पर राजद्रोह के मुकदमे चंद उदाहरण हैं।

इसी तरह, पंजाब में पूर्व पुलिस महानिदेशक सुमेध सिंह सैनी के खिलाफ 29 साल पुराने मामले की नये सिरे से जांच और अदालत में आरोप पत्र दाखिल करने की कार्रवाई का मामला भी सर्वविदित है। राजनीतिक आकाओं और उनके परिचितों से जुड़े कोयला घोटाले की जांच प्रभावित करने के मामले में आरोपी सीबीआई के निदेशक स्व. रंजीत सिन्हा का मामला भी इसी श्रेणी में आता है।

रंजीत सिन्हा के खिलाफ तो शीर्ष अदालत ने जांच का आदेश भी दिया था। नौकरशाहों और विशेषकर पुलिस अधिकारियों के लिए इस तरह की स्थिति से बचने का बेहतर उपाय निष्पक्ष होकर कानून के अनुसार ही काम करना है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी अगर पूरी सत्यनिष्ठा से काम करें और राजनीतिक आकाओं के दबाव में आकर आपराधिक मामलों को रफा-दफा करने या राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को भांति-भांति के आरोपों में फंसाने की प्रवृत्ति छोड़ दें तो निश्चित ही विरोधी दल के सत्ता में आने पर उन्हें इस तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

आत्मबल की आराधना का पर्व नवरात्रि

नवरात्रि आत्मबल को प्रबल करने का अवसर है। नवरात्रि में नौ रूपों में देवी जनमानस के बीच आती हैं और मन और तन के शोधन का महत्व समझाती हैं। उनके नौ रूपों की आराधना का क्रम दर असल हमारे जीवन की वरीयताएं क्या होना चाहिए, यह भी समझाता है। सबसे पहले प्रकृति और प्रवृिद्ध और सबसे अंत में धन।

नवरात्रि यानी आत्म-चिंतन और प्रकृति से एकाकार होने का एक पावन समय है। इस पर्व के पीछे हमारी सनातन परंपरा, सजगता और ऋतु जनित व्याधियों से लड़ने की तैयारी भी छिपी है। ऋतु परिवर्तन होने पर शरीर का आत्मबल कमजोर पड़ जाता है। ऐसे में नवरात्रि के रूप में हमको यह संदेश दिया जाता है कि नौ दिन तक अपने को ऋतु के मुताबिक तैयार करो। व्याधियों से लड़ने के लिए शारीरिक अनुशासन का पालन करो। इसलिए, हर ऋतुकाल में नवरात्रि के नौ दिन शारीरिक अनुशासन का संदेश लेकर आते हैं।

हर प्राणी के कुछ बल कहे गए हैं। मनुष्य के बलों में तीन बल आते हैं- विद्या, बुद्धि और विवेक। जिसके पास ये तीनों बल हों, उसमें आत्म-विश्वास की कमी नहीं होती और न ही उसका आत्मबल कमजोर पड़ता है। इसी प्रकार से तीन शोधन भी हैं। मनुष्य के लिए यह तीन शोधन- वात, पित्त और कफ हैं यानी शारीरिक दृष्टि से अपने को मजबूत करना। धन का स्थान बाद में आता है, पहले तन और मन के प्रकाश की कामना की गई है। और देवी भगवती की आराधना का पहला मूल मंत्र ही यही है बल प्राप्त करना और शरीर का शोधन करना। जिसने इसे प्राप्त कर लिया, उसका जीवन आलोकित हो गया। मन की दो अवस्थाएं होती हैं। वह माया-मोह में पड़ता है या फिर नकारात्मक ऊर्जा की ओर जाता है। देवी कहती भी हैं, मन सबके पास होता है, हर जीव-जंतु अपना भला-बुरा सोचता है, लेकिन उसको यह नहीं पता होता कि कब क्या करना है। विवेक की पूंजी तो केवल मनुष्य के पास है, और किसी के पास नहीं। यही समझाने के लिए देवी भगवती नवरात्रि में नौ रूपों में आती हैं। प्रकृति से लेकर अंश-वंश तक का समस्त अर्थशास्त्र समझाती हैं।

देवी भगवती, महालक्ष्मी के रूप में सौभाग्य प्रदान करती हैं, काली के रूप में सृष्टि में अनुशासन रखती हैं और सरस्वती के रूप में शब्द-सुर संसार का संचालन करती हैं। देवी का पहला स्वरूप शैलपुत्री है और दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का। नवां स्वरूप सिद्धिदात्री यानी लक्ष्मी का है। यह क्रम बदल भी सकता था, लेकिन देवी ने सबसे पहले अपना स्वरूप प्रकृति और फिर प्रवृत्ति रखा। धन का स्थान अंत में है। नवरात्रि भी प्रकृति का ही उत्सव है। संकेत साफ है- प्रकृति बिगड़ी तो आपदा या महामारी निश्चित है। देवी भले ही एक स्त्री के रूप में परिभाषित हों, लेकिन वह आत्मबल हैं। वह आद्या हैं। देवी शास्त्रों में उनके तीन बल कहे गए हैं- सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण। देवी वस्तुत- आपदा की देवी हैं। जब सृष्टि में महामारी फैली, आपदा आई तो देवी भगवती ने जन्म लिया। फिर चाहे वह शाकुंभरी बनकर आई हों या शताक्षी बनकर या पीताबंरा के रूप में। ऐसे में तमाम महामारी और व्याधियों को जीतने का एक ही मंत्र है-आत्मबल। कोरोना काल से बढ़ कर उदाहरण और क्या हो सकता है। देवी आराधना आत्मबल की प्रतीक हैं। श्री दुर्गा सप्तशती का प्रारम्भ ही कवच से होता है।

यह तन-मन का संदेशात्मक कवच है। विभिन्न देवियां शारीरिक अंगों की शक्ति हैं। समग्र रूप से यह शक्तियां दुर्गा या भवानी का रूप लेती हैं, जिसे शरीर कहा जाता है। शरीर के समस्त अवयवों की शक्तियां ही ऋतु-व्याधियों से लड़ती हैं। अर्गलास्तोत्र में, देवी काली से प्रार्थना होती है कि वह जगत का कल्याण करें। इसमें भी आरोग्यता प्रथम है। कीलकम् गुप्त है। यह मानसिक तप है। जप है।

- देवी पूजा का एक क्रम बताया गया है, जैसे गुरु, गणपति, शिव, दुर्गा (देवी क्रमों में पहले पार्वती, फिर महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी), नारायण भगवान और अंत में नवग्रह शांति।
- देवी कवच, अर्गलास्तोत्र व कीलकम का खाली पाठ न करें। साथ में दुर्गा सप्तशती का पांचवां, आठवां,सप्तश्लोकी दुर्गा या सिद्धकुंजिका का पाठ करें। सिर्फ अर्गलास्तोत्र का पाठ कर सकते हैं, पर कवच व कीलक के साथ एक पाठ अतिरिक्त करना होगा।
- एक मंत्र ही नौ दिन जप करें। नौ दिन तीन काल-तीन सिद्धकुंजिका स्तोत्र के पाठ से नौ देवियों, दश महाविद्या व षोड्श माताओं की पूजा एक साथ हो जाएगी।

धारण करें देवी के बीज मंत्रों की ऊर्जा

श्री दुर्गा सप्तशती सात सौ श्लोकों का ग्रंथ है। यह केवल देवी चरित नहीं है। इसमें चार तत्व शोधन यानी चिकित्सा भी हैं।

ऊं ऐं आत्मतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं विद्यातत्वं शोधयामि
ऊं क्लीं शिवतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं क्लीं सर्वतत्वं शोधयामि

इसके मूल में बीज मंत्र हैं। हर बीज मंत्र की अपार शक्ति है। पूरी दुर्गा सप्तशती में सवा सौ से भी अधिक बीज मंत्र हैं। प्रसिद्ध बीजमंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं' हैं। यह बीज मंत्र हमारे शरीर के तीन अवयव मन-बुद्धि-विवेक को नियंत्रित करता है। हर मंत्र की स्तंभन शक्ति है, जो शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य करती है।

नवरात्रि में बीज मंत्रों से भी पूजा हो सकती है। यदि विधि-विधान से पूजा करने का अवसर नहीं मिले, तो बीज मंत्रों के माध्यम से देवी की आराधना हो सकती है। ये समस्त बीज मंत्र आत्मबल वृद्धिकारक और शोधन के हैं। कुछ बीज मंत्र इस प्रकार हैं- ऊंदुं दुर्गायै नमः, ऊं श्रीं क्लीं ह्रीं, ऊं श्रीं श्रीं क्लीं हूं, ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे, भ्रां भ्रीं भ्रूं आदि। इनमें से किसी भी एक मंत्र को सामर्थ्य के अनुसार पढ़ा जा सकता है।

9 देवी, 9 मंत्र, 9 उपाय और 9 पौराणिक तथ्य

शारदीय नवरात्रि का पर्व प्रारंभ हो रहा है। इस दिन मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा अर्चना की जाती है। आओ जानते हैं 9 देवी, उनके मंत्र और पौराणिक तथ्य।

नौ देवी: 1.शैलपुत्री 2.ब्रह्मचारिणी 3.चंद्रघंटा 4.कुष्मांडा 5.स्कंदमाता 6.कात्यायनी 7.कालरात्रि 8.महागौरी 9.सिद्धिदात्री।

9 मंत्र

1. शैलपुत्री : ह्रीं शिवायै नमः।
2. ब्रह्मचारिणी : ह्रीं श्री अम्बिकायै नमः।
3. चन्द्रघण्टा : ऐं श्रीं शक्तयै नमः।
4. कूष्मांडा : ऐं ह्री देव्यै नमः।
5. स्कंदमाता : ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।
6. कात्यायनी : क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नमः।
7. कालरात्रि: क्लीं ऐं श्री कालिकायै नमः।
8. महागौरी : श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः।
9. सिद्धिदात्री : ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

9 पौराणिक तथ्य:

1. पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण उन्हें शैलपुत्री कहा जाता है।
2. ब्रह्मचारिणी अर्थात जब उन्होंने तपश्चर्या द्वारा शिव को पाया था।
3. चन्द्रघंटा अर्थात जिनके मस्तक पर चन्द्र के आकार का तिलक है।
4. उदर से अंड तक वे अपने भीतर ब्रह्मांड को समेटे हुए हैं इसीलिए कूष्मांडा कहलाती हैं।
5. उनके पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वे स्कंद की माता कहलाती हैं।
6. यज्ञ की अग्नि में भस्म होने के बाद महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्होंने उनके यहां पुत्री रूप में जन्म लिया था इसीलिए वे कात्यायनी कहलाती हैं। कहते हैं कि कात्यायनी ने ही महिषासुर का वध किया था इसलिए उन्हें महिषासुरमर्दिनी भी कहते हैं। इनका एक नाम तुलजा भवानी भी है।
7. मां पार्वती देवी काल अर्थात हर तरह के संकट का नाश करने वाली हैं इसीलिए कालरात्रि कहलाती हैं।
8. माता का वर्ण पूर्णत: गौर अर्थात गौरा (श्वेत) है इसीलिए वे महागौरी कहलाती हैं।
9. जो भक्त पूर्णत: उन्हीं के प्रति समर्पित रहता है उसे वे हर प्रकार की सिद्धि दे देती हैं इसीलिए उन्हें सिद्धिदात्री कहा जाता है।

शारदीय नवरात्रि आज से, कलश स्थापना और मां दुर्गा की संपूर्ण पूजन विधि

मां दुर्गा की विधिवत पूजन का त्योहार नवरात्रि 7 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना की जाती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, अभिजीत मुहूर्त में घट स्थापना का विशेष महत्व है। घट स्थापना के दिन चित्रा नक्षत्र जैसे शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इस दिन कन्या राशि में चर्तुग्रही योग का शुभ संयोग बन रहा है।

घट स्थापना मुहूर्त 7 अक्टूबर को सुबह 6 बजकर 17 मिनट से 7 बजकर 7 मिनट तक और अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 51 मिनट से दोपहर 12 बजकर 38 मिनट के बीच है। जो लोग इस शुभ योग में कलश स्थापना न कर पाएं, वे दोपहर 12 बजकर 14 मिनट से दोपहर 1 बजकर 42 मिनट तक लाभ का चौघड़िया में और 1 बजकर 42 मिनट से शाम 3 बजकर 9 मिनट तक अमृत के चौघड़िया में कलश-पूजन कर सकते हैं।

मां दुर्गा की पूजन विधि-

नवरात्रि के दिन सबसे पहले नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ पानी से स्नान कर लें। इसके बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा घर में कलश स्थापना के स्थान पर दीपक जलाएं। अब मां दुर्गा को अर्घ्य दें। इसके बाद माता रानी को श्रृंगार का सामान, अक्षत और सिंदूर चढ़ाएं। अब मां दुर्गा को फल और मिठाई का भोग लगाएं। धूप, अगरबत्ती से माता रानी की आरती उतारें और अंत में दुर्गा चालीसा का पाठ करें।

घटस्थापना कैसे करें-

1. नवरात्रि के पहले दिन सुबह जल्दी उठकर नहाएं।
2. स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद कलश को पूजा घर में रखें।
3. मिट्टी के घड़े के गले में पवित्र धागा बांधे
4. अब कलश को मिट्टी और अनाज के बीज की एक परत से भरें।
5. कलश में पवित्र जल भरकर उसमें सुपारी, गंध, अक्षत, दूर्वा घास और सिक्के डालें।
6. कलश के मुख पर एक नारियल रखें।
7. कलश को आम के पत्तों से सजाएं।
8. मंत्रों का जाप करें।
9. कलश को फूल, फल, धूप और दीया अर्पित करें।
10. देवी महात्म्यम का पाठ करें।

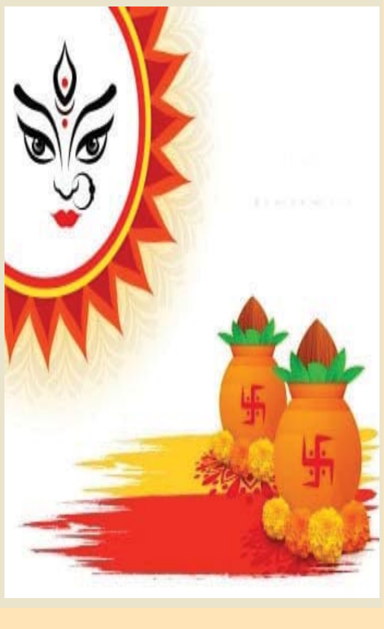

होंडा कार्स ने अपनी कारों पर 53,000 रुपये तक के फेस्टिव ऑफर पेश किए

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने इस महीने के लिए अपनी कारों पर 53,500 रुपये तक के फेस्टिव ऑफर पेश किए हैं। कंपनी ने कहा कि नवरात्रि की शुभ अवधि की शुरुआत के साथ, ग्राहक 31 अक्टूबर, 2021 तक उसके सभी अधिकृत डीलरशिप से होंडा कार खरीदते समय कई आकर्षक ऑफर का लाभ उठा सकते हैं।

जापानी कार कंपनी ने एक बयान में कहा, ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर नकद छूट, सहायक उपकरण, लॉयल्टी बोनस और विशेष विनिमय लाभ के रूप में होंगे। कंपनी फिफ्थ जेनरेशन सिटी पर 53,500 रुपये, फोर्थ जेनरेशन सिटी पर 22,000 रुपये तक, अमेज पर 18,000 रुपये तक, डब्ल्यूआर-वी पर 40,100 रुपये तक और जैज पर 45,900 रुपये तक के फेस्टिव ऑफर दे रही है। होंडा कार्स इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और निदेशक (विपणन और बिक्री) राजेश गोयल ने कहा, ÷त्योहार हमें जश्न मनाने का मौका देते हैं और हमारे जीवन में हमेशा एक विशेष स्थान रखते हैं। त्योहारों के इस मौसम में हम होंडा उत्पादों की अपनी पूरी श्रृंखला के लिए रोमांचक ऑफर और प्रचार प्रदान करने को लेकर खुश हैं ताकि कार खरीद को और अधिक फायदेमंद बनाया जा सके और ग्राहकों को इस समय में बहुत जरूरी खुशी दी जाए।

सेंसेक्स 555 अंक टूटा, निफ्टी 17650 के नीचे बंद

मुंबईः बाजार की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई थी लेकिन कारोबारी दिन के दौरान बाजार में मुनाफावसूली हावी हुई और सेसेंक्स-निफ्टी लाल निशान में बंद हुए। आज छोटे-मझोले शेयरों में भी बिकवाली का दबाव देखने को मिला। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.40 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में सेसेंक्स 555.15 अंक यानी 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 59,189.73 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं निफ्टी 193.50 अंक यानी 1.09 फीसदी टूटकर 17,628.80 के स्तर पर बंद हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयर्स में 22 शेयर्स बढ़त के साथ और 8 शेयर्स कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं। जिसमें बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर में 1फीसदी से ज्यादा की तेजी है। वहीं डॉ. रेड्डीज के शेयर में करीब आधा पर्सेंट की कमजोरी देखने को मिल रही है। कारोबार के दौरान मेटल, PSU बैंक और फार्मा शेयर्स में दबाव देखने को मिला। हृस्श्च पर मेटल इंडेक्स 2.98फीसदी, PSU बैंक इंडेक्स 1.94फीसदी और फार्मा इंडेक्स 1.87फीसदी गिरकर बंद हुए। 4.10फीसदी की गिरावट के साथ हिंडाल्को का शेयर निफ्टी का टॉप लूजर रहा।

मिंत्रा का बिग फैशन फेस्टिवल अपने अब तक के सबसे बड़े एडिशन के साथ आ रहा हैः इसे 3 - 10 अक्टूबर, 2021 के बीच आयोजित किया जाएगा

मिंत्रा ने अपने 'बिग फैशन फेस्टिवल' की लांच की घोषणा कर दी है जो कि 3 से 10 अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाने वाला फैशन, लाइफस्टाइल और ब्यूटी प्रोडक्ट्स के लिए फेस्टिव सीजन का सबसे पसंदीदा शॉपिंग कार्निवल है। मिंत्रा इनसाइडर्स, मिंत्रा के लॉयल्टी प्रोग्राम के मेंबरों के लिए अर्ली ऐक्सेस की डेट्स 1 और 2 अक्टूबर हैं। बिग फैशन फेस्टिवल का आगामी एडिशन 7000 ब्रांड्स में से सबसे शानदार कलेक्शन लेकर आया है जो 10 लाख स्टाइल्स की अब तक की सबसे बड़ी कलेक्शन को पेश करता है और ये सब इस फेस्टिव सीजन को देश की सबसे बड़ी फैशन इवेंट्स में से एक बनाता है। बिग फैशन फेस्टिवल के बारे में बात करते हुए अमर नगरम, सी.ई.ओ, मिंत्रा ने कहा, "बिग फैशन फेस्टिवल का आगामी एडिशन देश भर के खरीदारों के लिए उत्सव की खरीदारी का बिलकुल नया अनुभव पेश करने वाला है जिसमें शानदार वैल्यू ऑफर्स पर सबसे बड़ी सलेक्शन प्रदान की जा रही है। विभिन्न श्रेणियों में कई नए ब्रांड मौजूद हैं जो इस शानदार इवेंट का सबसे अच्छा एडिशन पेश कर रहे हैं जो खरीदारों और ब्रांड्स, दोनों द्वारा पसंद किया जाने वाला और डिमांडड एडिशन है। हमें बिग फैशन फेस्टिवल के साथ फेस्टिव सीजन की शुरुआत करने और इस साल की फेस्टिव शॉपिंग को हमारे बढ़ते उपभोगकर्ता आधार के लिए सबसे यादगार बनाने की बहुत खुशी है।"

त्योहारों से पहले सरकार ने दिया रेलवे कर्मचारियों को तोहफा

78 दिन के वेतन के बराबर मिलेगा बोनस

नई दिल्ली। दिवाली से पहले सरकार ने रेलवे कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। पिछले साल की तरह इस साल भी रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन के बोनस की घोषणा की गई है। रेलवे के करीब 11.56 लाख नॉन गजेटेड कर्मचारियों को 78 दिन के वेतन के बराबर बोनस मिलेगा।

कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज कैबिनेट बैठक में 2 विभागों को लेकर फैसले हुए। वर्षों से प्रोडक्टिविटी लिंक बोनस रेलवे के नॉन गजेटेड कर्मचारियों को मिलता है। कैबिनेट बैठक में फैसला किया गया है कि इस साल भी 78 दिन का बोनस रेलवे के नॉन गजेटेड कर्मचारियों को दिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम मित्र योजना लॉन्च होगी जो टेक्सटाइल और गारमेंट के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान देगी। इससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।इसमें 5 सालों में 4445 करोड़ रुपए का खर्च होगा। 7 मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजनल एंड अपैरल पार्क इस पर तैयार होंगे।

सरकार को कोल इंडिया, ओएनजीसी से 2,800 करोड़ रुपए का लाभांश मिला

नई दिल्ली। सरकार को चालू वित्त वर्ष में कोल इंडिया और ओएनजीसी से 2,800 करोड़ रुपए का लाभांश मिला है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने मंगलवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। पांडेय ने ट्वीट किया, ''भारत सरकार को चालू वित्त वर्ष के लिए हाल में कोल इंडिया लि. से 1,426 करोड़ रुपए और ओएनजीसी से 1,406 करोड़ रुपए का लाभांश मिला है।' दीपम के अनुसार, सरकार को चालू वित्त वर्ष के लिए विभिन्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों से अभी तक 4,576 करोड़ रुपए का लाभांश मिला है। इसके अलावा 9,110 करोड़ रुपए विभिन्न सीपीएसई के विनिवेश से जुटाए गए हैं।

त्योहारों से पहले महंगाई का एक और झटका, एलपीजी गैस सिलेंडर के बढ़े दाम

नई दिल्ली। त्योहारी से पहले आम आदमी को महंगाई का एक और झटका लगा है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर एक बार फिर महंगा हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने 6 अक्टूबर को 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर के भाव में 15 रुपए का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली और मुंबई में नॉन-सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 899.50 रुपए हो गई है। इससे पहले एक अक्टूबर को केवल 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडरों के दाम बढ़ाए गए थे। कोलकाता में रसोई गैस सिलेंडर का भाव 911 रुपए से बढ़कर 926 रुपए, मुंबई में 844.50 रुपए से चढ़कर 899.50 रुपए हो गए। चेन्नई में बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत अब 915.50 रुपए हो गई। पहले कीमत 900.50 रुपए प्रति सिलेंडर थी। 1 सितंबर को 14.2 किलोग्राम के गैर-सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 25 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। इससे पहले पेट्रोलियम कंपनियों ने 18 अगस्त को गैस सिलेंडर की कीमतों में 25 रुपए का इजाफा किया था।पिछले एक साल में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 305.50 रुपए बढ़ चुकी है, जबकि अब सब्सिडी भी नहीं आ रही है।

नेचुरल गैस के दाम 62फीसदी बढ़ेः आपको बता दें कि सरकार ने नेचुरल गैस की कीमतों में 62 फीसदी की बढ़ोतरी की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेंचमार्क कीमतों में बढ़ोतरी के बाद सरकार ने घरेलू कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला किया है। सरकार ने अक्टूबर-मार्च छमाही (अक्टूबर 2021 से मार्च 2022) के लिए नैचुरल गैस की कीमत बढ़कर अब 2.90 डॉलर mmbtu हो गई है। अप्रैल-सितंबर 2021 छमाही के लिए यह कीमत 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू थी। नेचुरल गैस के दाम बढ़ने से सीएनजी, पीएनजी और रसोई गैस की कीमतों में इजाफा हुआ है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेडज (ढ्ढत्नरु) ने दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी के भाव 2.55 रुपए प्रति किलो तक की बढ़ोतरी की। वहीं, PNG (पाइप के जरिए घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस) के दाम में 2.10 रुपए प्रति घन मीटर का इजाफा किया।

तेल की कीमतों में उबाल जारी, 10 दिनों में 2.80 रुपए महंगा हुआ डीजल

नई दिल्ली। तेल उत्पादक देशों के शीर्ष संगठन ओपेक के मांग के अनुरूप तेल उत्पादन नहीं बढ़ाने से अंतररष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में उबाल जारी रहने के दबाव में बुधवार को लगातार लगातार दूसरे दिन देश में पेट्रोल 30 पैसे प्रति लीटर और डीजल 35 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। लगातार चार दिनों की तेजी के बाद सोमवार को इन दोनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था लेकिन मंगलवार को इसमें बढोतरी की गई।

10 दिनों में डीजल 2.80 रुपए प्रति लीटर चढ़ा

फिर से इसमें बढोतरी हुई जिससे राजधानी दिल्ली में इनकी कीमतें अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस वृद्धि के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल अब तक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर 102.94 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल भी सर्वकालिक उच्चतम स्तर 91.42 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। पिछले एक सप्ताह में पेट्रोल 1.75 रुपए महंगा हो चुका है। डीजल भी 10 दिनों में 2.80 रुपए प्रति लीटर चढ़ चुका है।

कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी

ओपेक देशों की बैठक में प्रतिदिन चार लाख बैरल तेल उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया गया था जबकि कोरोना के बाद अब वैश्विक स्तर पर इसकी मांग में जबरदस्त तेजी दिख रही है। इस निर्णय के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी आ रही है। कल अमेरिकी बाजार में कारोबार बंद होने पर ब्रेंट क्रूड 1.30 डॉलर प्रति बैरल की तेजी लेकर 82.56 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 1.11 डॉलर की बढ़त के साथ 78.73 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 102.94 रुपए प्रति लीटर और डीजल 91.42 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। इस बढोतरी के बाद दिल्ली एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 100.24 रुपए प्रति लीटर और डीजल

92.04 रुपए प्रति लीटर पर है। अभी भोपाल में पेट्रोल 111.45 रुपए प्रति लीटर और डीजल 100.42 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

कैपिटा ने ईस्ट वेंचर्स, अन्य से 1.5 करोड़ डॉलर का वित्त जुटाया

नई दिल्ली। नई दिल्लीः इक्विटी प्रबंधन मंच कैपिटा ने बुधवार को कहा कि उसने ईस्ट वेंचर्स (ग्रोथ फंड), वल्कन कैपिटल और अन्य से 1.5 करोड़ डॉलर (करीब 112 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एंडिया पार्टनर्स एवं मासम्यूचुअल वेंचर्स सहित मौजूदा निवेशकों और एनवाईसीए ने भी निवेश के सीरीज ए राउंड में हिस्सा लिया।

ऑल्टो पार्टनर्स, के3 वेंचर्स, मिशन होल्डिंग्स, अंजलि बंसल (अवाना कैपिटल की संस्थापक) और सुजीत कुमार (उड़ान के सह-संस्थापक) सहित भारत, सिंगापुर और इंडोनेशिया में कई मौजूदा एंजल निवेशकों ने भी इस दौर में निवेश किया। कैपिटा ने इससे पहले निवेश के अलग-अलग दौर में कुल 70.25 लाख डॉलर जुटाए थे।

बयान में कहा गया कि इस दौर से प्राप्त आय के साथ कैपिटा ने अपने मंच पर और उत्पादों को जोड़ने की योजना बनायी है।

कैपिटा ने एक डिजिटल मार्केटप्लेस के माध्यम से तरलता समाधान की सुविधा देने की भी योजना बनाई है जो कंपनियों के लिए उनके निवेशकों और कर्मचारी हितधारकों के बीच लेनदेन को सक्षम बनाता है। इसमें कहा गया कि निवेश के इस नए दौर के साथ कैपिटा सिंगापुर, इंडोनेशिया और भारत में अपने ग्राहक आधार को बढ़ाएगी।

बदलती लाइफस्टाइल के बीच मुट्ठी भर बादाम आपके पूरे परिवार का नाश्ता हो सकते हैं

हमारे लाइफस्टागइल में बीते डेढ़ सालों में तेजी से बदलाव हुआ है और सोशल डिस्टेंसिंग,वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन क्लासेज अब न्यू नॉर्मल बन गई हैं। इसे देखते हुए आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया ने आज "चेंजिंग डायनैमिक्स ऑफ पब्लिक हेल्थ" पर एक सेशन की मेजबानी की। सेशन में चर्चा उन बदलाव पर केंद्रित रही, जिसे देश भर में भारतीय परिवार देख चुके हैं। सेशन में यह चर्चा भी हुई कि कैसे बदलती लाइफस्टाइल ने रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डाला है। बीमारी से बचाव के लिए उचित उपाय करने और अपने परिवार के हर सदस्य की अच्छी सेहत के लिए अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करने पर भी फोकस रहा। इस सेशन का संचालन मशहूर आरजे मेघा ने किया। इसमें सिलेब्रिटी फिटनेस ट्रेनर सपना व्यास के साथ इंटिग्रेटिव न्यूट्रिशिनिस्ट और हेल्थ कोच नेहा रंगलानी भी शामिल हुईं।

बादाम हजारों वर्षों से हमारे भोजन की आदत और परंपरा का हिस्सा रहा है। बादाम के सेवन से सेहत को होने वाले लाभ का कई आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध ग्रंथों में विस्तृत वर्णन किया गया है। पिछले कुछ सालों से वैज्ञानिक और अनुसंधान करने वाले निकाय ने उन लाभों के बारे में बताया है, जिसे हम पोषक तत्वों से भरपूर बादाम को अपने भोजन में शामिल कर हासिल कर सकते हैं। नियमित रूप से बादाम खाने के अलावा खान-पान की आदतों के दूसरे बदलाव पर भी सेशन में चर्चा की गई। सेशन में होने वाले विचार-विमर्श से यह खासतौर पर उभरकर आया कि परिवारों को धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से अपने पुराने रूटीन पर वापस आना चाहिए, जिससे उनकी लाइफस्टाइल सेहतमंद रह सके। सेशन में बताया गया कि पुराने रूटीन पर लौटने की दिशा में सबसे पहला कदम उन बदलाव को स्वीकार करना होगा, जो किसी भी व्यक्ति और उसके परिवार की जीवनशैली का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें अपने परिवार की इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए कदम उठाने की जरूरत शामिल है। यह एक ऐसा विषय है, जिस पर कोविड-19 महामारी की शुरुआत से ही काफी चर्चा हो चुकी है। सेशन में पैनलिस्ट्स ने अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए बादाम खाने से होने वाले लाभ का जिक्र किया। चूंकि बादाम जिंक, फोलेट और आयरन का स्त्रोत होते हैं। इसलिए इन्हें इम्यून सिस्टम की सामान्य कार्य प्रणाली में योगदान के लिए जाना जाता है। दूसरा कदम नियमित व्यायाम के साथ संतुलित भोजन और पौष्टिक नाश्ता लेना बताया गया। तीसरे कदम में तनाव से अच्छी तरह निपटने के लिए डिजिटल संसाधनों पर अपनी निर्भरता कम करने और स्क्रीन टाइम घटाने की जरूरत पर जोर डाला गया।

द बॉडी शॉप इंडिया ने "#लाइट अ लिटिल लाइफ" प्रोग्राम के लिए इस फेस्टिव सीजन में सान्या मल्होत्रा और मिरेकल फाउंडेशन के साथ पार्टनरशिप की

एक्टिविस्ट ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप इंडिया इस साल त्योहारों के सीजन को अलग तरह से मना रहा है और कोविड-19 महामारी के कारण अपने परिवार, देखभाल करने वालों और आजीविका खो चुके बच्चों की मदद के लिए "सलाइट अ लिटिल लाइफ" प्रोग्राम लॉन्च कर रहा है। इस प्रोग्राम के लांच के साथ, द बॉडी शॉप 1976 से वैश्विक परिवर्तन लाने वाले ब्रांड के रूप में अपने उद्देश्य को पूरा करते हुए स्थानीय समुदायों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। मिरेकल फाउंडेशन के साथ पार्टनरशिप करते हुए, इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन बच्चों को जमीनी स्तर पर सस्टेनेबल सहायता प्रदान करना है, जिनका जीवन भारत में महामारी की दूसरी लहर से तबाह हो गया है।

मिरेकल फाउंडेशन के साथ पार्टनरशिप करके शुरू किया गया '#लाइट अ लिटिल लाइफ' प्रोग्राम, एक व्यापक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य कोविड-19 से प्रभावित बच्चों की मदद करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उन बच्चों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिन्होंने अपने परिवार या पारिवारिक आजीविका को खो दिया है। द बॉडी शॉप इन बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम के तहत इन बच्चों को स्कूल, कोचिंग और शिक्षकों के लिए सहायता प्रदान की जाएगी; ऑनलाइन पढाई के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी; समय-समय पर मेडिकल टेस्ट्स, प्रेस्क्रिप्शन्स, सप्लीमेंट्स; आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल सहित गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए, द बॉडी शॉप अपने 200 से अधिक रिटेल स्टोरों के साथ-साथ www.thebodyshop.in पर ऑनलाइन स्टोर सहित अपने सभी बिक्री केंद्रों के माध्यम से पैसा जमा कर रहा है, जिसमें ग्राहक अपनी इच्छा से न्यूनतम 20 रुपये दान कर सकते हैं। प्रत्येक ग्राहक द्वारा दान किए गए पैसे के बराबर राशि बॉडी शॉप भी इस फण्ड में जमा करता है। ब्रांड का उद्देश्य मिरेकल फाउंडेशन के बच्चों के लिए जागरूकता बढ़ाना और अगले 3 महीनों में न्यूनतम बीस लाख रुपये जुटाना है।द बॉडी शॉप इंडिया की सीईओ श्रुति मल्होत्रा कहती हैं, "हम आशा करते हैं कि इस साल त्योहार हमारे लिए नई खुशियां लेकर आएंगे, पर हम यह नहीं भूल सकते कि इस साल महामारी ने हमारे देश के गरीब और जरूरतमंद लोगों के जीवन को तबाह कर दिया है। एक एक्टिविस्ट ब्रांड होने का मतलब है अपनी आवाज का इस्तेमाल उन लोगों के लिए करना जो खुद अपने लिए आवाज नहीं उठा सकते हैं।

गुजरात में 5वीं और आगे की कक्षाओं के लिए आंशिक रूप से खुलने को तैयार पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल

देश नए तौर-तरीकों के साथ महामारी से पहले की स्थिति में आने लगा है और भारत भर के स्कूल भी सरकारी निर्देशों के मुताबिक अपने दरवाजे और गलियारे मुस्कराते चेहरे वाले छात्रों के लिए खोलने की योजना बना रहे हैं। छात्र और माता-पिता स्कूल दोबारा खुलने की बात से बहुत उत्साह में हैं मगर पिछले कुछ महीनों के दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम के कारण माता-पिता अपने बच्चों को वापस स्कूल भेजते समय उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित भी हैं। ऑनलाइन कक्षाओं से वापस ऑफलाइन यानी सामान्य कक्षाओं की ओर लौटने के लिए स्कूलों को बहुत बारीकी के साथ योजना बनानी होगी। देश भर में चलने वाले पोद्दार इंटरनेशनल स्कूलों में भी स्कूल को सुरक्षित तथा सुचारु तरीके से दोबारा खोलने की तैयारी पूरे जोरों पर है। पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और भारत के शीर्ष 10 इंटरनेशनल डे स्कूलों की फेहरिस्त में इसका नाम लगातार आता रहा है।

पोद्दार एजूकेशन नेटवर्क के निदेशक हर्ष पोद्दार ने कहा, "हमारे 94 वर्ष के इतिहास में पहली बार हमारे सभी स्कूल छात्रों के लिए बंद करने पड़े। हम सभी के लिए यह चुनौती भरा समय रहा है। पोद्दार इंटरनेशन स्कूल में शिक्षकों की इस बात के लिए खूब सराहना हुई कि उन्होंने वर्चुअल कक्षाओं के जरिये सर्वांगीण शैक्षिक अनुभव जारी रहना सुनिश्चित किया। पोद्दार एजूकेशन नेटवर्क का प्रबंधन यह सुनिश्चित करने के लिए बिना थके काम करता रहा है कि जब भी छात्र कक्षाओं में लौटें, उनका स्वागत सुरक्षित और बढ़ावा देने वाले वातावरण में हो। नेटवर्क ने बहुत विस्तृत और सुनियोजित सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार किया है, जिसका पालन स्कूल की सभी शाखाओं में किया जाएगा।" पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल ने स्कूल दोबारा खोलने की तैयारी करते समय सुरक्षा प्रोटोकॉल के सर्वोच्च मानक लागू किए हैं। प्रोटोकॉल में कई रणनीतियां शामिल हैं जैसे स्कूल खुलने पर छात्रों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करने के लिए कक्षाओं में सीटिंग प्लान को पूरी तरह बदल देना। पूरे स्कूल की खिड़कियां लगातार खुली रखी जाएंगी और पूरे स्कूल को नियमित तौर पर संक्रमणमुक्त किया जाएगा। स्कूलों में हाउसकीपिंग कर्मचारियों को तीन चरण वाली प्रोटोकॉल लागू करने के लिए गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रोटोकॉल में पूरे स्कूल का फ्यूमिगेशन, ब्लीच से धुलाई कर गहरी सफाई और अंत में कर्मचारियों द्वारा फर्नीचर, दरवाजों, रेलिंग और आम तौर स्पर्श होने वाले अन्य स्थानों को नियमित तौर पर संक्रमणमुक्त किया जाना और पोछा जाना शामिल है। छात्रों को भी सैनिटाइजर इस्तेमाल करने और मास्क लगाने के साथ नियमित तौर पर हाथ साबुन से धोने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

काउंटरप्वाईंट के अनुसार, रियलमी दुनिया में सर्वोच्च 6 स्मार्टफोन ब्रांड्स में से एक है

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होता हुआ स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ग्लोबल रैंकिंग्स में सर्वोच्च 6 स्मार्टफोन वेंडर्स में से एक बन गया है। यह जानकारी काउंटरप्वाईंट रिचर्स द्वारा किए गए बाजार के लेटेस्ट अध्ययन में सामने आई। रियलमी 2021 की दूसरी तिमाही में साल-दर-साल 135.1 प्रतिशत की वृद्धि एवं 15 मिलियन शिपमेंट्स के साथ छठवें स्थान पर रहा। उद्योग में एक प्रतिष्ठित कंपनी के रूप में इस विकसित होते हुए ब्रांड ने केवल तीन साल में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। कंपनी के फाउंडर एवं चीफ एक्ज़िक्यूटिव ऑफिसर, स्काई ली ने अपने ओपन लैटर में कहा, ''पिछले तीन सालों में हम एक नवजात शिशु से लेकर अब शेर के रूप में बड़े होकर आगे बढ़ रहे हैं।'' कंपनी की युवा टीम की औसत आयु 29 साल से कम है, जो अनेक अज्ञात मुश्किलों का सामना करते हुए दृढ़ रही और युवाओं को ऐसे अभूतपूर्व उत्पाद प्रस्तुत करती रही, जिन्होंने दुनिया में एक ट्रेंड स्थापित कर दिया।

एक बिना विवरण के ब्रांड के रूप में शुरू करके, रियलमी ने उद्योग एवं ग्राहकों की समस्त अपेक्षाओं को पीछे छोड़ दिया और 2021 की दूसरी तिमाही में यह दुनिया में 61 देशों में विस्तार करते हुए 18 देशों सर्वोच्च 5 ब्रांड्स में पहुंच गया। इसने फिलीपींस और बांग्लादेश में यह पहले स्थान पर, रूस में तीसरे स्थान पर, भारत में चौथे स्थान पर और यूरोप क्षेत्र में पाँचवें स्थान पर अपनी जगल बना ली। पिछले माह, रियलमी रिसर्च फर्म स्ट्रेट्जी एनालिटिक्स 2021, दूसरी तिमाही के आंकड़ों के अनुसार, 100 मिलियन स्मार्टफोन शिप करने वाला सबसे तेज ब्रांड बन गया। रियलमी ने अपने लॉन्च के बाद 100 मिलियन संचयी शिपमेंट्स पूरे करने की उपलब्धि हासिल की और यह 2021 की दूसरी तिमाही में 50 मिलियन संचयी शिपमेंट्स करने वाली कंपनी बनी। यह भारत में किसी ब्रांड द्वारा हासिल की गई सबसे तेज उपलब्धि है। रियलमी ने भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 14.6 प्रतिशत बाजार अंश के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रांड की 'डेयर टू लीप' भावना के तहत, रियलमी ने व्यवसायिक रणनीति के विकल्पों में साहसी कदम उठाए और शुरुआत से ही इसने वैश्वीकरण को अपनाया, जमीनी स्तर पर ध्यान केंद्रित करके उपभोक्ताओं की मांग को सुना और खूबसूरत डिज़ाइन के यूज़रफ्रेंडली उत्पादों में उन्नत टेक्नॉलॉजी का समावेश किया। रियलमी फोन पॉप-अप कैमरा वाले अपने सेगमेंट के पहले फोन थे। मैग्नेटिक वायरलेस चार्जिंग के साथ एन्ड्रॉयड में पहले फोन, और 64 मेगापिक्सल वाले पहले फोंस में से एक थे। किफायती मूल्य में इस तरह की ट्रेंडसेटिंग अभिनवताओं ने युवाओं एवं टेकप्रेमी ग्राहकों को आकर्षित किया, जो तेजी से इस ब्रांड के समर्थक बन गए।

चेन्नई की धरती पर संन्यास लेना चाहते हैं थाला, धोनी ने दिया बड़ा बयान

धोनी ने आईपीएल-2022 में खेलने के संकेत दिए, चेन्नई में विदाई मैच होने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान एमएस धोनी ने मंगलवार को संकेत दिया कि वह आईपीएल के कम से कम एक और सीजन में फेंचाइजी के लिए खेलना जारी रखेंगे। संभावना है कि उनके प्रशंसक उन्हें अगले साल चेन्नई में फेयरवेल गेम में देख सकेंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स के 2022 में मेगा नीलामी के बाद एक बड़े संक्रमण चरण से गुजरने की संभावना है और ऐसी अटकलें हैं कि एमएस धोनी पीली जर्सी में दिखाई देंगे या नहीं।

हालांकि, 40 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने इंडिया सीमेंट्स के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाले एक कार्यक्रम में कहा कि उन्हें चेन्नई में अपना आखिरी मैच खेलने की उम्मीद है। धोनी ने वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान प्रशंसकों के साथ बातचीत करते हुए कहा, जब विदाई की बात आएगी, तब भी आप आ सकते हैं और मुझे सीएसके के लिए खेलते हुए देख सकते हैं और यह मेरी विदाई का खेल हो सकता है। आपको मुझे विदाई देने का मौका मिलेगा। उम्मीद है, हम चेन्नई आएंगे और अपना आखिरी मैच खेलेंगे। वहां पर हम और प्रशंसकों से भी मिल सकते हैं।

भारत के पूर्व कप्तान, जिन्होंने पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, 2019 के बाद से चेन्नई में नहीं खेले हैं, क्योंकि कैश-रिच लीग का 2020 सीजन यूएई में आयोजित किया गया था और सीएसके ने आईपीएल 2021 के पहले चरण में मैच खेले थे। इससे पहले मुंबई को कोविड-19 के कारण निलंबित कर दिया गया था। पिछले साल 15 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले पर एक प्रशंसक के सवाल का जवाब देते हुए धोनी ने कहा, इससे बेहतर दिन 15 अगस्त नहीं हो सकता।

बड़े मैचों में संकटपूर्ण परिस्थितियों में बने रहने की सीएसके की क्षमता के बारे में बात करते हुए, धोनी ने कहा, हम इसे यथासंभव सामान्य रखने की कोशिश करते हैं। हम पर्याप्त नींद लेकर अच्छी तैयारी करने की कोशिश करते हैं और हम जिस विपक्ष के खिलाफ खेल रहे हैं, उसके लिए तैयारी करते हैं। तीन बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स इस समय आईपीएल 2021 में 18 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान दौरा रद्द करने पर माइकल होल्डिंग ने इंग्लैंड को बताया पश्चिमी अहंकार, भारत से की तुलना

लंदन। (एजेंसी)।

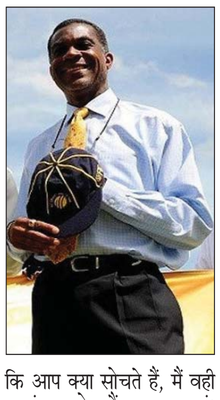

वेस्टइंडीज के अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने कहा है कि इंग्लैंड का पाकिस्तान दौरा रद्द करने से 'पश्चिमी अहंकार' की बू आती है और यह देश कभी 'समृद्ध और शक्तिशाली' भारत के साथ ऐसा नहीं करता। इंग्लैंड की पुरुष और महिला टीम को इस महीने पाकिस्तान दौरे पर आना था लेकिन इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक तौर पर स्वस्थ रखने तथा सुरक्षा कारणों से दोनों श्रृंखलाएं रद्द कर दी।

बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार होल्डिंग ने क्रिकेट राइटर्स क्लब पीटर स्मिथ अवार्ड हासिल करने के बाद कहा, ''ईसीबी का बयान स्थिति स्पष्ट नहीं करता। कोई भी आगे आकर किसी चीज का सामना नहीं करना चाहता है क्योंकि वे जानते हैं कि उन्होंने जो किया वह गलत था।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए उन्होंने बयान जारी कर दिया और वे बयान की आड़ में छिप गये। इससे मुझे उनके उस बकवास की याद आती है जो उन्होंने ब्लैक लाइव्स मैटर (अश्वेतों की जिंदगी भी मायने रखती है) अभियान के मामले में किया था।'' होल्डिंग ने कहा, ''मैं उसकी तह में नहीं जाना चाहता हूं क्योंकि मैं इस बारे में पहले ही काफी कुछ कह चुका हूं। लेकिन मुझे इससे उसी पश्चिमी अहंकार के संकेत मिलते हैं। मैं आपके साथ वैसा ही व्यवहार करूंगा जैसा मुझे आपके साथ करना अच्छा लगता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या सोचते हैं, मैं वही करूंगा जो मैं चाहता हूं। न्यूजीलैंड ने सुरक्षा कारणों से पहला वनडे शुरू होने से कुछ देर पहले पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया था जिसके तीन दिन बाद ईसीबी ने फैसला किया।

इंग्लैंड की पुरुष टीम ने 2005 के बाद पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है जबकि उसकी महिला टीम का यह पहला पाकिस्तान दौरा होता। होल्डिंग ने पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि यदि यह भारत होता तो इंग्लैंड की दौरा रद्द करने की हिम्मत नहीं होती। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान ने टीका उपलब्ध होने से पहले छह या सात सप्ताह के लिये इंग्लैंड का दौरा किया था। वे वहां रुके रहे। उन्होंने वहां क्रिकेट खेली। उन्होंने उसका सम्मान किया जो इंग्लैंड उनसे चाहता था। '' होल्डिंग ने कहा, ''उन्हें तो पाकिस्तान में चार दिन के लिये जाना था? मुझे पूरा विश्वास है कि उन्होंने भारत के साथ ऐसा नहीं किया होता क्योंकि भारत समृद्ध और शक्तिशाली है।

अब भारतीय टीम में नहीं खेलें यह दिग्गज खुलाडी

नई दिल्ली। 5वां मैच कोरोना के डर से रद्द कर दिया गया जबकि इंग्लैंड में फिलहाल खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले 4 मैच ही अच्छे चले। भारतीय टीम ने सीरीज में 2-1 की बढ़त ले ली। श्रृंखला ने कुछ आलोचना भी की क्योंकि श्रृंखला में अधिकांश भारतीय बल्लेबाज खराब खेले। खासतौर पर भारतीय टीम के उपकप्तान रहाणे ने सीरीज के 4 मैचों में कुल सात पारियां खेली और सिर्फ 109 रन बनाए। तो क्या टीम को अब उसकी जरूरत है? क्या वह अब भी टीम में बने रहना चाहते हैं? जैसे सवाल उठाए गए हैं। इस बात को लेकर संशय है कि इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज के बाद उन्हें मौका मिलेगा। क्योंकि 2016 में उनकी बल्लेबाजी अलग ही स्तर पर थी. उसके बाद वह वर्तमान में अपना सबसे खराब खेल दिखा रहा है और ऐसा लगता है कि वह अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलेगा क्योंकि वह रन बनाने के लिए लड़खड़ा रहा है। मुझे यह भी उम्मीद है कि भारतीय टीम अधिक युवा खिलाड़ियों को अवसर देकर उस स्थान को मजबूत करने के लिए काम करेगी। उल्लेखनीय है कि पार्थिव पटेल ने खुलकर कहा है कि रहाणे को अब इस वजह से भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिलेगा।

तमिलनाडु ने सैयद मुश्ताक के लिए टीम घोषित की

चेन्नई। गत चैंपियन तमिलनाडु ने सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम घोषित की। दिनेश कार्तिक जिनके नेतृत्व में टीम ने पिछली बार जीत हासिल की थी वह टीम के कप्तान होंगे। टीम में कुछ नए चेहरों में शामिल किया गया है जिनमें बी. साई सुदर्शन और पी. सरवण कुमार के नाम शामिल हैं। ऑलराउंडर विजय शंकर टीम के उपकप्तान होंगे और टी. नटराजन के अलावा वाशिंगटन सुंदर भी शामिल होंगे। अनुभवी एन. जगदीशन जो चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल के दूसरे चरण में शामिल हैं और बी. अपराजित तथा एम. शाहरूख खान को भी लिया गया है।

तमिलनाडु की टीम इस प्रकार है

दिनेश कार्तिक (कप्तान), विजय शंकर (उपकप्तान), एम.एस. वाशिंगटन सुंदर, टी. नटराजन, संदीप एस. वारियर, आर. साई किशोर, बी. अपराजित, एन. जगदीशन, एम. अश्विन, एम. शाहरुख खान, सी. हरि निशांत, एम. सिद्धार्थ, वी. गंगा श्रीधर राजू, एम. मोहम्मद, जे. कौसिक, आर. संजय यादव, आर. सिलंबरासन, आर. विवेक राज, बी. साई सुदर्शन, पी. सरवण कुमार।

कई मायनों में कतर 2022 अब तक का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप होगा : मिकेल सिल्वेस्ट्रे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कतर की मेजबानी में आयोजित होने वाला 2022 का विश्व कप कई मायनों में ऐतिहासिक आयोजन होगा। यह मध्य-पूर्व में होने वाला पहला और एशियाई महाद्वीप पर खेला जाने वाला दूसरा विश्व कप होगा।

कतर में होने वाले वैश्विक शोपीस इवेंट की केवल यही विशिष्ट विशेषताएं नहीं हैं। इसके अलावा यह पहला बड़ा वैश्विक आयोजन हो सकता है, जो 2019 में कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से दर्शकों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।

हालांकि, कतर 2022 का एक और पहलू है जिसने मैनचेस्टर यूनाइटेड और फ्रांस के पूर्व डिफेंडर मिकेल सिल्वेस्ट्रे को आकर्षित किया है। कतर 2022 में दोहा और उसके आसपास स्थित आठ विश्व स्तरीय आयोजन स्थल होंगे। दिलचस्प बात यह है कि स्टेडियम एक-दूसरे से एक घंटे की दूरी के भीतर हैं और बड़े पैमाने पर परिवहन व्यवस्था से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं, जिससे प्रशंसकों के लिए एक दिन में एक से अधिक मैच देखना बहुत आसान हो जाता है। सिल्वेस्ट्रे ने गोल डॉम से कहा, कतर 2022 यात्रा के मामले में सर्वश्रेष्ठ विश्व कप होने जा रहा है। ताक रूप से यह प्रशंसकों और खिलाड़ियों के लिए काफी सहज होगा। सिल्वेस्ट्रे ने 2002 और 2006 के दो विश्व कप में फ्रांस की ओर से खेला है और बाद में उपविजेता भी रहे हैं। उन्हें लगता है कि टूर्नामेंट की सुव्यवस्थित प्रकृति से खिलाड़ी बड़े पैमाने पर लाभान्वित होते हैं। टूर्नामेंट के दौरान टीमों को अपने बेस शिविर और प्रशिक्षण स्थान में बदलाव नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि सभी जगह पर दोहा से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सिल्वेस्ट्रे को लगता है कि यह गेम चेंजर है और खिलाड़ियों के बीच नए बेस या वेन्यू में जाने के तनाव और चिंता को खत्म करता है, जो बदले में उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करेगा। सिल्वेस्ट्रे ने कहा, एक बार एक शिविर में पहुंचने के बाद आपको जगह नहीं बदलनी पड़ेगी। यह खिलाड़ियों के दिमाग और शरीर का तनाव कम करता है। स्टेडियम में कूलिंग सिस्टम अद्भुत है और यह प्रशंसकों और खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छा रहेगा। 2022 विश्व कप 21 नवंबर को अल बेयट स्टेडियम में शुरू होगा और फाइनल 18 दिसंबर को लुसैल स्टेडियम में होगा।

हॉकी इंडिया 2022 राष्ट्रमंडल खेलों से हटा, कोविड चिंताओं और भेदभावपूर्ण पृथकवास नियमों का हवाला दिया

लंदन (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। भारत कोविड-19 से जुड़ी चिंताओं और देश के यात्रियों के प्रति ब्रिटेन के भेदभावपूर्ण पृथकवास नियमों के कारण अगले साल बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की हॉकी प्रतियोगिता से मंगलवार को हट गया। इंग्लैंड भी एक दिन पहले इन्हीं कारणों का हवाला देकर भुवनेश्वर में होने वाले जूनियर पुरुष विश्व कप से हट गया था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोबम ने महासंघ के फैसले से भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा को अवगत करा दिया है। हॉकी इंडिया ने कहा है कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों (28 जुलाई से आठ अगस्त) और हांग्झू एशियाई खेलों (10 से 25 सितंबर) के बीच सिर्फ 32 दिन का अंतर है और वे अपने खिलाड़ियों को ब्रिटेन भेजकर जोखिम नहीं उठाना चाहता जो कोरोना वायरस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा है। निंगोबम ने लिखा, ''एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए महाद्वीपीय क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता है और एशियाई खेलों की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए हॉकी इंडिया राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान भारतीय टीमों के किसी खिलाड़ी के कोविड-19 संक्रमित होने का जोखिम नहीं ले सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए हॉकी इंडिया अपनी पुरुष और महिला टीमों को राष्ट्रमंडल खेल 2022 के लिए नहीं भेजेगा और आपको समय रहते सूचित किया जा रहा है कि आयोजकों को जानकारी दे दी जाए कि वे रिजर्व टीमों की पहचान करें।''

कुछ सप्ताह पहले ही इसकी संभावना व्यक्त की जा रही थी जब आईओए अध्यक्ष ने कहा था कि हॉकी इंडिया ने उन्हें संकेत दिया है कि वह एशियाई खेलों के लिये टीम को शीर्ष फॉर्म में रखना चाहता है चूंकि यह ओलंपिक क्वालीफायर भी है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि हॉकी इंडिया को इस बात के लिये मनाने की कोशिश की जायेगी कि वहां दूसरे दर्जे की टीम भेज दे। ब्रिटेन ने हाल में भारत के कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण पत्रों को मान्यता देने से इनकार कर दिया था और देश से आने वाले यात्रियों के पूर्ण टीकाकरण के बावजूद उनके लिए 10 दिन का कड़ा पृथकवास अनिवार्य किया है। आईओए अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में निंगोबम ने इस भेदभाव का प्रमुखता से जिक्र किया है जिन्होंने रिजर्व टीमों के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था के साथ समन्वय के निर्देश दिए हैं। बत्रा एफआईएच के भी अध्यक्ष हैं। निंगोबम ने लिखा, ''इस तरह की भेदभावपूर्ण पाबंदियां भारतीय खिलाड़ियों और अधिकारियों पर हाल में हुए तोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान भी लागू नहीं थी और टीकाकरण करवाने वाले खिलाड़ियों के लिए भी 10 दिन के पृथकवास से उनका प्रदर्शन प्रभावित होगा।''

भारतीय हॉकी टीम ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों से अपना नाम वापस लिया

मुंबई। भारतीय हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर 2022 राष्ट्रमंडल खेलों से कोविड-19 का हवाला देते हुए अपना नाम वापस लेने का फैसला किया है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानंद्रो निंगोमबम ने सोमवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को अपने फैसले की जानकारी दी। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने 28 जुलाई से 8 अगस्त, 2022 तक बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों और 10-25 सितंबर, 2022 तक चीन के हांग्जो में होने वाले एशियाई खेलों के बीच पर्याप्त समय नहीं होने के बारे में मुद्दा उठाया है। हॉकी इंडिया ने अपनी टीमों को इंग्लैंड नहीं भेजने का फैसला किया है, क्योंकि एशियाई खेल भी 2024 में पेरिस में अगले ओलंपिक के लिए एक क्वालीफाइंग इवेंट है। उन्होंने कहा, पिछले 18 महीनों में देखा गया है कि इंग्लैंड यूरोप में सबसे बुरी तरह प्रभावित देश रहा है, कोविड-19 महामारी और भारतीय यात्रियों के खिलाफ यूके सरकार द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों से, हॉकी इंडिया ने कहा कि वह नहीं चाहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी वायरस से संक्रमित हो जाए, क्योंकि किसी के ठीक होने के लिए घटनाओं के बीच केवल थोड़ी सी अवधि होती है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने भारतीय यात्रियों के लिए क्वारंटीन अवधि का मुद्दा भी उठाया, क्योंकि भारतीय टीकों को यूके सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है और इसे भेदभावपूर्ण करार दिया।

लवलीना बोरगोहेन महिला विश्व चैंपियनशिप में सीधे क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने दिसंबर में तुर्की के इस्तांबुल में होने वाली महिला विश्व चैंपियनशिप के लिए टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा) को सीधी योग्यता देने का फैसला किया है। हालांकि, बाकी मुक्केबाजों को ट्रायल से गुजरना होगा। बीएफआई ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, हर भार वर्ग में प्रत्येक स्वर्ण पदक विजेता एआईबीए महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे सिवाए 69 किग्रा को छोड़कर, क्योंकि टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन महिला विश्व चैंपियनशिप में सीधे क्वालीफाई कर चुकी हैं। महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 21-27 अक्टूबर तक हिसार के सेंट ओसेफ इंटरनेशनल स्कूल में होगी। यह आयोजन कोविड-19 महामारी के कारण एक वर्ष से अधिक के अंतराल के बाद एलीट महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की वापसी करेगा।

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम का पाकिस्तान दौरा स्थगित, जानिए कारण

कोलंबो। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हशान तिलकरत्ने ने बुधवार को कहा कि उनका इस महीने के अंत में होने वाला पाकिस्तान का दौरा अनिश्चितकाल के लिये स्थगित हो गया है। श्रीलंकाई टीम को 15 अक्टूबर को पाकिस्तान के दौरे के लिये रवाना होना था। तिलकरत्ने ने पत्रकारों से कहा, ''यह निराशाजनक है कि श्रृंखला नहीं हो पायेगी, पाकिस्तान की ओर से ही इसे रद्द कर दिया गया है क्योंकि उन्हें कुछ 'लॉजिस्टिक' मुद्दे थे। '' श्रीलंकाई महिला टीम ने अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया में खेलने के बाद कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है।

टी20 सीरीज से ऑस्ट्रेलिया दौरे का सकारात्मक अंत करने उतरेगी भारतीय टीम

गोल्ड कोस्ट। (एजेंसी)।

कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला में जीत दर्ज करके इस दौरे का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत अंगूठे की चोट के कारण एकदिवसीय श्रृंखला और एकमात्र दिन रात्रि टेस्ट मैच में नहीं खेल पायी थी लेकिन अब वह फिट हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी का आक्रामक पक्ष मजबूत हुआ है जिसमें युवा शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी शानदार फॉर्म में चल रही है। ऑस्ट्रेलियाई दौरे के आखिरी चरण के मैचों से पहले मंधाना आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। उन्होंने अभी कुछ दिन पहले ही अपना पहला टेस्ट शतक लगाया था। यह सीनियर बल्लेबाज निश्चित तौर पर उस लय को बरकरार रखने के लिये प्रतिबद्ध होगी हालांकि दोनों प्रारूपों में बहुत अंतर है।

हरमनप्रीत की वापसी टीम के लिये अच्छा संकेत है लेकिन सभी की निगाह युवा शेफाली पर टिकी रहेंगी जो आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिये जानी जाती है। इस दौरे के दौरान भारतीय टीम ने दिखाया कि वह कुछ समय के अंदर ही विभिन्न प्रारूपों से सामंजस्य बिठा सकती है। इससे वे गुलाबी गेंद से खेले गये टेस्ट में भी दबदबा बनाने में सफल रही। इससे पहले उसने वनडे में आस्ट्रेलिया का 26 जीत का अभियान थामा था। हरमनप्रीत के लिये चोट बड़ा झटका था लेकिन अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले उनके लिये यह टी20 श्रृंखला बेहद महत्वपूर्ण होगी। वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में मैच विजेता है और वह इन मैचों में कोई मौका नहीं गंवाना चाहेंगी। आस्ट्रेलियाई गेंदबाज शेफाली, मंधाना और हरमनप्रीत को निशाने पर रखेंगे जबकि युवा जेमिमा रोड्रिग्स को अपनी फॉर्म हासिल करने के लिये एक और मौका मिलेगा। उन्होंने राष्ट्रीय टीम की तरफ से हाल में भले ही अनुकूल प्रदर्शन नहीं किया लेकिन इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' में उन्होंने प्रभावशाली बल्लेबाजी की थी। आस्ट्रेलिया के उछाल वाले विकेट भी उनके खेल के अनुकूल हैं।

आस्ट्रेलिया के पास कई आलराउंडर हैं जिससे वह इस प्रारूप में काफी मजबूत नजर आता है लेकिन भारत उसे कड़ी चुनौती देने के लिये पूरी तरह से तैयार लगता है। भारत को टी20 में पिछले कुछ समय से अनुभवी गेंदबाज झूलन गोस्वामी की सेवाएं नहीं मिल रही हैं लेकिन मेघना सिंह, पूजा वस्त्राकर और शिखा पांडे जैसी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजी में भारत की निगाहें मध्यक्रम में विकेटकीपर ऋचा घोष और यास्तिका भाटिया पर भी टिकी रहेंगी। आस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लैनिंग को उम्मीद होगी कि उनके आलराउंडर फिर से अंतर पैदा करने में सफल रहेंगे।

आस्ट्रेलिया इस श्रृंखला में आलराउंडर ताहलिया मैकग्रा को भी पदार्पण का मौका दे सकता है जिन्होंने टेस्ट मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। हाल की फॉर्म को देखते हुए अन्नाबेल सदरलैंड और निकोला कैरी के शानदार रिकार्ड को देखते हुए इन दोनों का भी अंतिम एकादश में जगह बनाने का दावा मजबूत है।

एयरपोर्ट पर शराब की बैग बदलने पर पुलिस की भागदौड़

सूरत। एक विचित्र घटना में गोवा से आई फ्लाईट से उतरे युवक की शराब की तीन बोतल भरी बैग बदल जाने से पुलिस को भागदौड़ करना पड़ा। शराबवाली बैग जिसकी थी इसके बदले भरूच के एक व्यक्ति इसे लेकर जा रहे थे। जिनको रोककर पुलिस ने जांच करने पर बैग से शराब निकला था। बोतलों देखकर चौंक गये भरूच के व्यक्ति ने बताया कि यह बैग उनकी नहीं है और वह तो फेमिली के साथ गोवा गया था।

बैग अपनी होने का इनकार करने वाले भरूच के व्यक्ति के दावे की जांच करने के लिए पुलिस ने इंडिगो एयरलाइंस की मदद ली। सोमवार की रात को इंडिगो गोवा से सूरत स्थित फ्लाइट से उतरा युवक ही शराब की तीन बोतल अपने साथ में लाया था। हालांकि, वह एयरपोर्ट पर उतरा तब इसके जैसे ही एक बैग अन्य पैसेंजर के पास भी थी और लगेज बेल्ट पर य बैग एक्सचेंज हो गई थी। सूरत के युवक की बैग भरूच के एक वकील के हाथ में आ गई थी। वह अपनी फेमिली के साथ गोवा घूमने गया था और सूरत की फ्लाइट में वापस आया था।

रात के समय पुलिस ने बैग की जांच करने पर इसमें से शराब की तीन बोतल निकलने पर यह व्यक्ति चौंक गये। उन्होंने यह बैग तथा इसमें रही शराब की बोतल अपनी नहीं होने की पुलिस के समक्ष पेशकश की थी। आखिर में पुलिस ने एयरलाइंस के स्टाफ की मदद से जांच शुरू करने पर शराब की बोतलों वाली बैग कुश असीजा नाम के २३ वर्ष के एक युवक की होने का मामलूम हुआ। यह युवक सूरत के सिटी लाइट क्षेत्र में रहता है। बैग इसकी ही होने का कन्फर्म होने पर पुलिस ने युवक का संपर्क करके इसे पुलिस स्टेशन बुलाया था और शराब लाने पर इसे हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, कई बार राज्य के बाहर जाते लोग वापस आते समय शराब की बोतल भी साथ में लेकर आते है। कई लोगों को यह अंधविश्वास होता है कि फ्लाइट में शराब की दो-तीन बोतल लाने में कोई प्रोबल्म नहीं होता है।

रामायण के रावण अरविंद त्रिवेदी का मुंबई में निधन

अहमदाबाद। सीरियल तारक महेता का उल्टा चश्मा में नटुकाका का रोल करते गुजराती अभिनेता घनश्याम नायक के दुखद समाचार मनोरंजन उद्योग हजम कर सके इसके पहले ही और एक दुखद समाचार आया है।

रामानंद सागर की रामायण में रावण का भूमिका निभाने वाले वयोवृद्ध गुजराती अभिनेता अरविंद त्रिवेदी का निधन हुआ है। मंगलवार की रात को मुंबई में ८२ वर्ष की उम्र में अरविंद त्रिवेदी ने अंतिम सांस ली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अरविंद त्रिवेदी पिछले कुछ समय से बीमार थे। मंगलवार की रात को हार्ट अटैक और मल्टीपल ओर्गन फेल्योर की वजह से उनका निधन हुआ है। बुधवार को सुबह में मुंबई में ही अरविंद त्रिवेदी का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

रामायण सीरियल में लक्ष्मण का रोल निभाने वाले एक्टर सुनील लहेरी ने अरविंद त्रिवेदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर उनको श्रद्धांजलि दी गई। सुनील ने अरविंद त्रिवेदी की दो तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, बहुत दुखद समाचार है। हम सभी के लाडले अरविंदभाई (रामायण के रावण) अब हमारे बीच नहीं है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं निःशब्द हूं। मैं पिता समान मार्गदर्शक और शुभचिंतक को गंवाया है। सीता मां की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री दीपिका चीखलिया ने भी अरविंद त्रिवेदी को श्रद्धांजलि दी है। इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीर शेयर करते हुए दीपिका ने लिखा कि उनके परिवार को सांत्वना दी है। बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे। फैंस को यह समाचार सुनकर झटका लगा है और वह भी शोक व्यक्त कर रहे है। अरविंद त्रिवेदी को

हमेशा रावण की भूमिका के लिए याद रखा जाएगा। अरविंद त्रिवेदी कई गुजराती फिल्मों में काम किया था। गुजराती फिल्म उद्योग में उनका करियर ४० वर्ष लंबा रहा है। सिर्फ रामायण ही नहीं अरविंद त्रिवेदी ने सीरियल विक्रम बेताल में भी दमदार भूमिका निभाई। अरविंद त्रिवेदी ने गुजराती और हिन्दी सहित ३०० से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कई सामाजिक और पौराणिक फिल्मों में काम किया है।

सूरत के डुमस बिच पर रात को रेती का रंग काला होता है

सूरत। यह दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। कई रहस्य आश्चर्यचकित कर दे ऐसे है। तब आज गुजरात के एक ऐसे स्थल की बात करे जो रहस्यों से भरी हुई है। ऐसे तो यह जगह मामले में बहुत सुना होगा। लेकिन सच्चाई है कि रहस्यमयी यह जगह पर आज भी सैंकड़ों पर्यटक घूमने जाते है। पर्यटकों में यह जगह पर घूमने का कोई डर नहीं है।

यह जगह का नाम है डुमस बिच जो सूरत में स्थित है। सूरत के स्थानीय लोगों का माने तो यह स्थल पर प्रेतात्माओ होने का दावा है। यह रहस्यमयी बिच सूरत शहर में स्थित है। जहां कई बार पेरानोर्मल घटनाएं होती है। जिसकी वजह से यह बिच लगातार चर्चा में रहता है। हमेशा सोशल मीडिया पर यह बिच की चर्चाएं होती रहती है।

यह भूतिया बिच को लेकर लोगों में कई प्रकार की मान्यता है, कई घटनाएं प्रचलित है। लेकिन विशेष बात है कि यह बिच का नजारा आकर्षित और सुंदर है जिसकी वजह से यह बड़ी संख्या में पर्यटक आते रहते है। रोज ाना यह बिच पर किसी को रहस्यमयी घटना आकार लेती है फिर भी यहां पर्यटक पहुंचते है। कई लोग यहां भूतप्रेत होने का उल्लेख करते है। यह जगह पर कई लोगों ने अजीबोगरीब रहस्यमय आवाज सुनने को मिलता है। कई रिपोर्ट तो ऐसे है कि, यह बिच पर रात को घूमने गये टूरिस्ट आज दिन तक वापस नहीं आया है। स्थानयी लोगों के अनुसार कहा जाता है कि वर्षों पहले यह बिच का उपयोग स्मशान के तौर पर किया जाता था। जिसकी वजह से आज भी यहां प्रेत आत्मा घूमती रहती है। इसी वजह से रात को यहां बिच का रंग काला हो जाता है। रात के समय यहां कुत्ते का स्वभाव बदल जाता है। वह भी अजीबोगरीब आवाज निकालने लगते है। इसी वजह से सूरत के डुमस बिच का नाम भारत के मोस्ट वांटेड ज गहों में शामिल है।

स्कूलें तो शुरू हुई लेकिन विद्यार्थियों की कम उपस्थिति

अहमदाबाद। स्कूलों की सफाई हो गई है, कक्षाओं में भी सेनिटाइज ेशन किया गया है। स्कूलें फिर से रोजाना के अनुसार करने की सभी तैयारी हो गई है लेकिन एज्यूकेशन सिस्टम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा गायब है।

यह हिस्सा है विद्यार्थी। शहर की स्कूल के संचालक और विशेषज्ञों का कहना है कि, अभिभावकों और विद्यार्थियों में रही आशंका की वजह से स्कूलें होने के बाद लेकिन इसमें विद्यार्थियों की कम उपस्थिति है। इसके अलावा स्कूल की शुरूआत के दिनों में विद्यार्थियों में ध्यान की कमी और पढ़ाई में कम रूचि देखने को मिल रही है। अहमदाबाद स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रमुख हितेश पटेल ने कहा कि, विद्यार्थी डेढ़ वर्ष के विराम बाद प्रत्यक्ष शिक्षा तरफ वापस आये है। जिसकी वजह से उनमें ध्यान की कमी देखने को मिलती है और वह सूचना को लागू करने में कुछ देर लगती है। कई विद्यार्थियों का वजन भी बढ़ गया है। कई विद्यार्थियों को एकीकृत होकर लिखने में और पढ़ने में मार्गदर्शन की जरूरत होती है, यह सेंट ज ेवियर्स हाईस्कूल लोयला होल के फादर जेवियर अमालराज ने बताया। अहमदाबाद प्रोगेसिव मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रमुख मनन चोक्सी ने बताया कि, कई शिक्षकों में भी गुस्सा की समस्या देखने को मिल रही है। विद्यार्थियों का व्यवहार समझने के लिए उनके साथ कुछ ज्यादा समय बिताने की जरूरत है।

फेल होने के डर से साइंस के विद्यार्थी ने आत्महत्या की

सूरत। फेल होने के डर से रांदेर के कक्षा-११ साइंस के विद्यार्थी ने मौत का रास्ता अपनाया है। सूरत के केंद्रीय विद्यालय में पढ़ते विद्यार्थी ने सुसाइड पहले लिखा कि, वह पढ़ने के लिए लगातार टेंशन में रहता था। इसने रुम से इसका फांसी लगाई हालत में शव मिला है।

यह देखकर मां-पिता भी आश्चर्यचकित हो गये। मिली जानकारी के अनुसार, रांदेर के उगत रोड पर त्रीजी नगरी सोसाइटी स्थित है। जिसमें मूल बिहार के रणजीत वर्मा का परिवार रहता है। वह सूरत के पीएफ विभाग में क्लर्क के तौर पर ड्यूटी करते है। उनका बेटा रितेश वर्मा सूरत की केंद्रीय विद्यालय में अंग्रजी माध्यम में कक्षा-११ साइंस में पढ़ाई करता है। मंगलवार को दोपहर में वह अपने रुम में पढ़ने

गया था, इसके बाद लंबे समय तक रुम से बाहर नहीं आया था।

इसके पिता इसे खाने के लिए बुलाये गये तब इसका दरवाजा अंदर से बंद था। इसने दरवाजा नहीं खोला था। इसी वजह से पिता ने दरवाजा तोड़ने पर वह फांसी लगाई हालत में देखने को मिला। यह देखकर इसके मां-पिता के पैर नीचे से जमीन खिसक गई थी। पुलिस जांच में रितेश केपास एक सुसाइड नोट मिली। जि समें उसने लिखा है कि, इसे पढ़ने के लिए हमेशा टेंशन रहता है। इसे फेल होने का डर लगता था। यदि वह फेल होगा तो इसकी मेहनत विफल हो जाएगी इसी वजह से उसने आत्महत्या का कदम उठाया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)